mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-201 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

23 जुलाई 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

अनुभवी खिलाड़ी ...

@ पेज 7

मध्यप्रदेश स्वच्छता क्षेत्र में निरंतर रहेगा आगे-मुख्यमंत्री

भोपाल ,एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार की शाम मंत्रालय में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्रीमती राय ने राष्ट्रपति द्वारा भोपाल को स्वच्छता क्षेत्र में दिये गये प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्य प्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महापौर श्रीमती मालती राय सहित नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रविंद्र यति, श्री राजेश हिंगोरानी और अन्य पदाधिकारी गण को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भोपाल, इंदौर सहित मध्यप्रदेश के अन्य शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पुरस्कारों से गत सप्ताह सम्मानित किया। भोपाल को 10 लाख से अधिक जनसंख्या की श्रेणी में स्वच्छ शहर का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बुधनी नगर निकाय के पदाधिकारी गण ने भी भेंट की और 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी के पुरस्कृत होने की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों निकायों के पदाधिकारियों को बधाई दी। महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भोपाल नगर के सफाई मित्रों को भी पुरस्कृत किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि भोपाल के साथ ही इंदौर को 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाली स्वच्छ लीग अवार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर से पुरस्कृत किया गया।

एअर इंडिया को फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम गड़बड़ नहीं मिला

नई दिल्ली,एजेंसी। दरअसल, अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने अपनी प्राइमरी रिपोर्ट में दावा किया था कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले फ्यूल स्विच बंद कर दिए गए थे। इसके बाद एविएशन सिक्योरिटी रेग्युलेटर ने 12 जुलाई को एयरलाइनों को अपने विमानों में फ्यूल स्विच सिस्टम की जांच करने का निर्देश दिया था। 21 जुलाई को रिपोर्ट मांगी थी। बोइंग 787, एअर इंडिया के बेड़े का हिस्सा है। बी 737 का संचालन इसकी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस करती है। इनके अलावा इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा के पास भी बोइंग हैं।

मिग-21 फाइटर जेट 19 सितंबर को रिटायर होगा

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय वायुसेना में 62 साल तक सर्विस देने के बाद मिग-21 लड़ाकू विमान 19 सितंबर को रिटायर होगा। चंडीगढ़ एयरबेस में फाइटर जेट का विदाई कार्यक्रम होगा। इसके बाद विमान की सेवाएं आधिकारिक तौर पर खत्म हो जाएंगी। मिग-21 जेट 1963 में पहली बार भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। यह भारत का पहला सुपरसोनिक जेट था यानी ये आवाज की गति (332 मीटर प्रति सेकेंड) से तेज उड़ सकता था।फाइटर जेट की आखिरी 2 स्क्वाड्रन (36 मिग-21) राजस्थान के बीकानेर में नाल एयरबेस पर तैनात है। इन्हें नंबर 3 स्क्वाड्रन कोबरा और नंबर 23 स्क्वाड्रन पैंथर्स के नाम से जाना जाता है। मिग-21 जेट ने 1965 के भारत-पाक युद्ध, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और 1999 के कारगिल युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब इसकी जगह तेजस एमके1ए फाइटर एयरक्राफ्ट लेंगे। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 400 से ज्यादा मिग-21 विमान क्रैश हुए हैं। इसमें 200 से ज्यादा पायलट मारे गए गए हैं। इसी वजह से फाइटर प्लेन को 'उड़ता ताबूत' और 'विडो मेकर' कहा जाता है।

भारतीय सेना को अपाचे हेलिकॉप्टर की पहली खेप मिली

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय सेना को अमेरिका से तीन अपाचे एएच-64 ई हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मिल गई। सेना ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन्हें अमेरिका से एंटोनोव ट्रांसपोर्ट विमान में गाजियाबाद जिले के हिंडन एयर बेस लाया गया। सेना के मुताबिक, सौदे के तहत 6 अपाचे गार्डियन हेलिकॉप्टर मिलने हैं। 3 आ चुके हैं। इन्हें रेत जैसे रंग से रंगा गया है, इससे रेगिस्तानी इलाकों में छिपने में मदद मिलती है। इन हेलिकॉप्टर्स से सेना के हमला करने और ऑपरेशनल क्षमता में काफी इजाफा होगा। अपाचे हेलिकॉप्टर को पाकिस्तान के साथ लगी पश्चिमी सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा।

सीबीएसई के सभी स्कूलों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली। सीबीएसई ने अपने सभी स्कूलों को सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया है। बोर्ड ने स्कूलों को गाइडलाइंस जारी करते हुए कहा है कि स्कूल में सभी जरूरी जगहों पर कैमरे लगे होने चाहिए। इसमें क्लासरूम के अलावा एंट्री-एग्जिट, कॉरिडोर और लैब शामिल हैं। टॉयलेट और वॉशरूम को प्राइवेसी कारणों के चलते इससे बाहर रखा गया है। ये गाइडलाइंस स्कूलों में बच्चें की सुरक्षा तय करने के लिए जारी की गई हैं। बोर्ड का कहना है कि इससे स्कूल में बुलिंग और एब्यूस जैसी घटनाओं पर भी नजर रखी जा सकेगी।

संसद मानसून सत्र का दूसरा दिन

नई दिल्ली ,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच, स्पेशल इंटेसिव रिविजन के खिलाफ सदन के अंदर और बाहर विरोध किया। सांसदों ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर पीएम के जवाब और सदन में चर्चा की भी मांग की। पहले, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार स्क्क्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह, राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगाए। विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा की बैठक बुधवार को सुबह 11 बजे फिर से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष विरोध प्रदर्शन करके जनता का पैसा बर्बाद कर रहा है। दूसरे दिन की कार्यवाही से पहले संसद भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक हुई थी।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में लैंडस्लाइड, 5 मौते

नई दिल्ली ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सोमवार को बारिश और लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का एक बच्चा भी है। लैंडस्लाइड की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए हैं। जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। वहीं, हिमाचल के चंबा में घर के ऊपर चट्टान गिरने से नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई। राज्य की 401 सड़कें बंद हैं। इधर, मध्य प्रदेश के मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व में बाढ़ में बहे बाघ की मौत हो गई। बाघ को बंजर नदी में बहते हुए देखा गया था। जबलपुर समेत प्रदेश के 12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार के 27 और राजस्थान के 4 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में 24 जुलाई के आसपास एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में देश के कई राज्यों में फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।

हरियाणा में अगले महीने महिलाओं को 2100 देने की तैयारी

चंडीगढ़। साल 2024 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के संकल्प पत्र के सबसे लुभावने वादे लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रक्षाबंधन पर बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इसके तहत महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए मिलने हैं। संभावना है कि इस रक्षा बंधन पर मुख्यमंत्री लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत कर दें। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से इस योजना को लागू करने को लेकर एक ड्राफ्ट मंजूरी के लिए सीएम के पास भेज दिया गया है। हालांकि नौकरी करने वाली और पेंशन लेने वाली महिलाओं को झटका लग सकता है। 9 अगस्त को रक्षाबंधन है। संभावना है कि उससे पहले या उसी दिन सीएम योजना के शुरू करने का ऐलान करें।

सीएम सैनी इससे पहले कह चुके हैं कि योजना के रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल तैयार किया जा रहा है। योजना के ऐलान के साथ ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए जाएंगे।

भाजपा के संकल्प पत्र में 20 बड़े वादे थे। जिनमें महिलाओं को हर माह 2100 रुपए देने का वादा बेहद लुभावना रहा।हालांकि चुनाव जीतने के बाद काफी समय तक भाजपा सरकार ने इस वादे का जिक्र नहीं किया। फिर यह सामने आया कि सभी महिलाओं की बजाय सिर्फ गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन (बीपीएल कार्ड धारकों) करने वाले परिवारों की महिलाओं को ही योजना का लाभ मिलेगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली ,एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया। राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने यह जानकारी दी। दूसरी तरफ, राज्यसभा के उपसभापति और एनडीए सांसद हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। हरिवंश ने ही आज सुबह 11 बजे जगदीप धनखड़ की जगह, राज्यसभा की कार्यवाही शुरू की थी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे पहले खबर आई थी कि धनखड़ विदाई समारोह में भी शामिल नहीं होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी

ने कहा कि मैं धनखड़ के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली ,एजेंसी। जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। कैश कांड में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 21 जुलाई को मानसून सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में उनके खिलाफ महाभियोग के नोटिस पीठासीन अधिकारियों को सौंपे गए। इन पर पक्ष-विपक्ष के 215 सांसदों (लोकसभा में 152 और राज्यसभा में 63) के हस्ताक्षर हैं। महाभियोग प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी, सीपीएम और अन्य दलों के सांसदों का समर्थन मिला है। साइन करने वालों में सांसदों में राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर, रविशंकर

प्रसाद, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसद भी शामिल हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में इसकी जानकारी दी थी। स्वतंत्र भारत में पहली बार हाईकोर्ट के किसी कार्यरत जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव आया है।

मिजोरम में फ्यूल संकट-हाईवे खराब इसलिए ऑयल टैंकर्स हड़ताल पर

आइजोल। मिजोरम में तीन दिन से जारी ऑयल टैंकर ड्राइवर की हड़ताल से सोमवार को राजधानी आइजोल समेत राज्य के 70 प्रतिशत पेट्रोल पंप ड्राई हो गए। राज्य सरकार ऑयल टैंकर्स एसोसिएशन से लगातार बातचीत कर रही है। हालांकि, एसोसिएशन का कहना है कि टूटी सड़कों से टैंकर्स नहीं ला सकते। हड़ताल के चलते राज्य में पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ रोजमर्रा के सामान की सप्लाई भी ठप पड़ गई है। इसके चलते हर जरूरी सामान दोगुनी कीमत में मिल रहा है। आइजोल में सभी सब्जियां 100 से 150 रुपए प्रति किलो से ऊपर बिक रही हैं। एक लीटर दूध का दाम भी 110 से 160 रुपए के बीच है। 50 रुपए किलो वाला में बिकने वाला चावल 75 रुपए में बिक रहा है। आइजोल और लुंग्लेई में स्कूल की बसें बंद कर दी गई हैं।

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस, महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

मुंबई ,एजेंसी। 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में अब महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। शीर्ष कोर्ट में 24 जुलाई को सुनवाई होगी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की अपील की थी। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने

कहा कि प्रॉसीक्यूशन, यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वॉन्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।

कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया।

हरियाणा के युवक की अमेरिका में गोली मारकर हत्या

करनाल। हरियाणा के करनाल के रहने वाले युवक की अमेरिका के कैलिफोर्निया में गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक घर से खाना लेने के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में ही अज्ञात लोगों ने उसे गोली मार दी।

मरने वाला युवक डंकी के रास्ते अमेरिका गया था। इसके लिए 30-35 लाख रुपए खर्च किए। हालांकि अब वह अमेरिका का परमानेंट सिटिजन बन गया था। मृतक के छोटे भाई ने परिजनों को उसकी हत्या की जानकारी दी। जिससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

परिवार के लोगों ने कहा कि वह 4 दिन बाद भारत आने वाला था। इसके लिए 2 दिन बाद ही उसकी फ्लाइट थी। उसने 3 महीने के लिए घर आना था। इस दौरान शादी की भी बातचीत शुरू होनी थी। हत्या के बाद कैलिफोर्निया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्पेस से बॉर्डर नहीं दिखते-शुभांशु का स्टेटमेंट एनसीईआरटी में शामिल

नई दिल्ली। पृथ्वी पूरी एक दिखती है। स्पेस से कोई बॉर्डर नहीं दिखते।, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय नागरिक शुभांशु शुक्ला का स्टेटमेंट एनसीईआरटी कक्षा 5वीं की किताब में शामिल किया गया है। ये किताब विशु अधाना ने तैयार की है। ये कोट ग्रुप कैप्टैन शुभांशु शुक्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत का हिस्सा है। इसे एनवायर्नमेंटल स्टडीज की किताब के अवर शेयर्ड होम चैप्टर में शामिल किया गया है।

स्पेस से पृथ्वी को देखने का अपना

एक्सपीरियंस बताते हुए शुभांशु शुक्ला ने कहा था, ऐसा लगता है कि कोई बॉर्डर नहीं है। कोई स्टेट नहीं हैं। कोई देश नहीं है।

कांग्रेस को 199 करोड़ डोनेशन पर टैक्स से राहत नहीं

नई दिल्ली ,एजेंसी। इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को कांग्रेस को डोनेशन में मिले 199 करोड़ रुपए पर टैक्स में छूट देने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। ट्रिब्यूनल ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान की सीमा का उल्लंघन इसकी वजह बताया। दो सदस्यीय बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 फरवरी, 2019 को दाखिल किया गया कांग्रेस का टैक्स रिटर्न, उसे छूट के लिए योग्य बनाने के लिए निर्धारित तिथि के भीतर नहीं है। ट्रिब्यूनल ने टैक्स अफसरों के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को डोनेशन के रुपयों पर भी टैक्स देना होगा। दरअसल, कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में धारा 139(1) के तहत 2 फरवरी, 2019 को इनकम टैक्स रिटर्न भरा था।

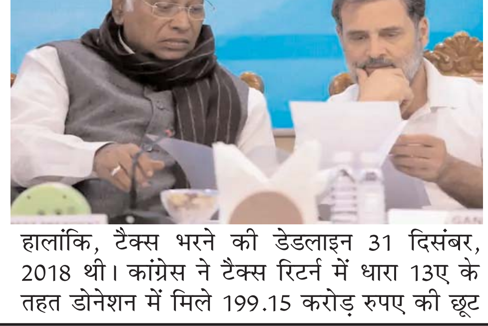

हालांकि, टैक्स भरने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2018 थी। कांग्रेस ने टैक्स रिटर्न में धारा 13ए के तहत डोनेशन में मिले 199.15 करोड़ रुपए की छूट का दावा करने के बाद अपनी इनकम जीरो बताई थी। कांग्रेस को डोनेशन में 14.49 लाख रुपए कैश भी मिले थे सितंबर, 2019 में, टैक्स अफसर को जांच के दौरान पता चला कि पार्टी ने डोनेशन के तौर पर 14.49 लाख रुपए कैश स्वीकार किए थे। इसमें से कई डोनर ने 2 हजार रुपए से ज्यादा दान दिया था, जो वित्त अधिनियम, 2017 के तहत तय लिमिट से ज्यादा थे। 2000 रुपए से ज्यादा के दान चेक या बैंक ट्रांसफर जैसे बैंकिंग माध्यमों से ही किया जाता है। इसके चलते, इनकम टैक्स ने कांग्रेस को मिले डोनेशन की पूरी रकम पर टैक्स लगाया। जब कांग्रेस ने धारा 13ए के तहत छूट मांगी, तो आयकर विभाग ने 2021 में पार्टी के दावे को खारिज कर दिया।

सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायतों के निराकरण में नगरीय विकास विभाग दूसरे स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार नगरीय विकास विभाग ने शिकायतों के निराकरण में शानदार प्रदर्शन किया है। विभाग को कुल 49,867 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जिनमें से कुल 88.96 प्रतिशत अंक की ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। इस उपलब्धी ने विभाग को राज्य स्तर पर शिकायतों के निराकरण में दूसरे स्थान की रैंक दिलाई है। विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि हेल्पलाइन द्वारा प्राप्त आंकड़ों में यह साफ तौर पर दिखाई देता है कि नगरीय विकास विभाग ने अपनी जिम्मेदारी को सही ढंग से निभाया है और नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने में अच्छा प्रदर्शन किया है। इन आंकड़ों से यह भी जाहिर होता है कि विभाग की शिकायत निवारण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सक्षमता दोनों मौजूद हैं। दूसरी ओर नगर निगमों में सागर, छिंदवाड़ा और उज्जैन अव्वल स्थान पर रहे हैं।

मंत्री श्री सारंग ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 38 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेला के समग्र विकास का संकल्प हमारी प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र को विकास, सुशासन और जनकल्याण की मुख्यधारा से जोड़ रही है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला के हर घर में नर्मदा जल के साथ ही सीएम राइज स्कूल, शासकीय कॉलेज, थीम आधारित आधुनिक पार्क, फ्लाईओवर, स्मार्ट सड़कों का नेटवर्क और आदर्श ड्रेनेज सिस्टम जैसी अधोसंरचनाएं क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेला के रहवासियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समृद्ध जीवन मिले इसके लिए हम कटिबद्ध हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे। नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 38 के पुरुषोत्तम नगर, सेमरा, शिव मंदिर के पास सड़क निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इन कार्यों से स्थानीय नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से रहें सावधान-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नकद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर, आईसेक्ट कियोस्क पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेश भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सायबर जालसाजों से बचने की अपील की है।

बिजली कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकारियों ने बताया है कि कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन, गूगल, अमेजन, व्हाट्सएप आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है।

पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई जाएगी पाइपलाइन – राज्यमंत्री श्रीमती गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विभिन्न विकासकार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पेयजल, सीवेज, सड़क और नाली निर्माण से जुड़ी सुविधाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने गोविंदपुरा के वार्ड 72 की सागर सिटी, सागर धाम और यशोदा नगर में पेयजल आपूर्ति के स्थायी हल करने के लिए पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जनता से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, और गोविंदपुरा क्षेत्र भी इसमें पीछे नहीं रहेगा।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 72 के बिहारी कॉलोनी स्थित जर्जर आंगनबाड़ी भवन को तत्काल तोड़ने और नई आंगनबाड़ी भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। मालीखेड़ी, दशहरा मैदान, शबरी नगर जैसी बस्तियों में सम्पवेल चालू कर पानी और सड़क निर्माण की योजना भी तत्काल शुरू करने को कहा।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जो भी कार्य किए जा रहे हैं, उनकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को अवश्य दी जाए। भ्रमण के दौरान नागरिकों से मिली शिकायतों का समाधान पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए।

वार्ड 73 की चांदवाड़ी कॉलोनी, शिव नगर, लक्ष्मी नगर आदि क्षेत्रों में सीवेज समस्या के समाधान के लिए ट्रंक लाइन डालने और अमृत 2.0 योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। वार्ड 74 के ग्राम खेजड़ा, भानपुर मल्टी से महोली, इकोग्रीन कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में सड़क निर्माण, सीमांकन और सीवेज से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

नरेला में श्रावण माह के अवसर पर निकली बाबा महाकाल की सवारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्रावण माह के पावन अवसर पर सोमवार को भोपाल के नरेला विधानसभा अंतर्गत मंशापूर्ण हनुमान मंदिर शंकराचार्य नगर से बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सवारी में सहभागिता कर बाबा महाकाल से सर्वमंगल की कामना की। यह सवारी पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और विश्वास का केंद्र बनी रही। हजारों की संख्या में शिवभक्त इस सवारी में शामिल हुए और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को शिवमय कर दिया। इस दौरान मंत्री श्री सारंग का स्वागत विभिन्न मंचों और स्थानों पर पुष्प वर्षा, माल्यार्पण तथा जयकारों के

साथ किया गया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भगवान महाकाल की कृपा सब पर बनी रहे सबका कल्याण हो, सबकी मनोकामनाएं पूर्ण हों हम महादेव के श्रीचरणों में प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रावण माह शिव आराधना का विशेष समय है और इस अवसर पर महाकाल की सवारी का सहभागी बनना सौभाग्य की बात है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा के शंकराचार्य नगर क्षेत्र से निकली इस सवारी ने जनमानस को भक्ति, एकता और अध्यात्म के सूत्र में पिरो दिया। सवारी में अनेक सांस्कृतिक व धार्मिक झांकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

प्रदेश में इस वर्ष स्कूल के बच्चों को 4.30 लाख साइकिल की जाएंगी वितरित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में 4 लाख 30 हजार बच्चों को निःशुल्क साइकिल का वितरण करेगा। साइकिल वितरण की शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरू पूर्णिमा महोत्सव में भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधा युक्त भवन के लोकार्पण समारोह से की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 50 बच्चों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की।

प्रदेश में अब तक एक लाख से अधिक बच्चों को उनकी पात्रतानुसार निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जा चुका है। निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत विद्यार्थी जो कि शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 और 9 में अध्ययनरत हैं, वह जिस ग्राम का निवासी है उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक या हाई स्कूल संचालित नहीं है और उसे अपने विद्यालय तक पहुचंने के लिये 2 किलोमीटर या इससे अधिक की दूरी तय करनी पड़ती है, उन बच्चों कक्षा 6 या 9 में प्रथम प्रवेश पर एक बार निःशुल्क साइकिल दिये जाने का प्रावधान है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित कन्या छात्रावास में पढ़ने वाली छात्राएं, जिनकी शाला छात्रावास से 2 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर है उन्हें भी इस योजना में निःशुल्क साइकिल प्रदाय की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पहले सभी पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण के निर्देश दिये हैं। संचालनालय स्तर पर निःशुल्क साइकिल वितरण की नियमित समीक्षा की जा रही है। कक्षा 6 में पढ़ने वाले बच्चों को 18 इंच और कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले बच्चों को 20 इंच की साइकिल वितरित की जा रही है। विभागीय अधिकारियों को साइकिल वितरण के पहले उनके उचित भंडारण के संबंध में भी निर्देश दिये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष विभागीय योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों को उचित समय पर दिये जाने के संबंध में कार्ययोजना तैयार की है।

मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा।

प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रूझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हैक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हैक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत

रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है।

मध्यप्रदेश के उत्पादित फूलों की मांग देश के महानगरों के साथ विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब की महक जयपुर, दिल्ली, मुम्बई के बाद अब पेरिस और लंदन में भी पहुँच रही है। शिक्षित युवाओं के साथ गांव में रहने वाले ग्रामीण किसान भी फूलों के उत्पादन की ओर आकर्षित हुए है। राजधानी भोपाल की ग्राम पंचायत बरखेड़ा बोदर की रहने वाली श्रीमती लक्ष्मीबाई कुशवाह धान, गेहू, सोयबीन की खेती छोड़कर गुलाब, जरबेरा और गेंदा के फूल का उत्पादन कर, हर महीने तीन से चार लाख रूपये कमा रही है। ऐसे अनेक उदाहरण है, जिनसे प्रदेश में फूलों का उत्पादन बढ़ा है।

मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से उत्पादित किये जाने वाले फूलों में गेंदा, गुलाब, सेवन्ती, ग्लेडूलस, रंजनीगंधा तथा औषधीय पुष्पों में इसेवगोल, अश्वगंधा, सफेद मूसली और कोलिक्स है। प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन क्षेत्र गेंदा के फूल का है। किसानों द्वारा 24 हजार 214 हैक्टेयर में गेंदे की खेती की जा रही है। दूसरे स्थान पर गुलाब है जिसका रकबा 4 हजार 502 हैक्टेयर और तीसरे स्थान पर सेवन्ती एक हजार 709 हैक्टेयर, चौथे स्थान पर ग्लेडूल्स एक हजार 58 हैक्टेयर, पांचवें स्थान पर रंजनीगंधा 263 हैक्टेयर सहित अन्य पुष्प 11 हजार 227 हैक्टेयर में बोए जा रहे है।

स्कूल शिक्षा मंत्री से गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष पालीवाल ने की भेंट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह से सोमवार को मंत्रालय में गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष श्री हिमान्जय पालीवाल एवं उनके दल ने भेंट की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य सरकार का स्कूल शिक्षा विभाग संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये विशेष प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 13 जिलों के शासकीय विद्यालयों में अरूण एवं उदय की संस्कृत की कक्षाएं प्रारंभ की जा चुकी है। इन स्कूलों में संस्कृत विषय को पढ़ाने के लिये शिक्षकों की व्यवस्था की गई है?। बैठक में गुजरात के प्रतिनिधि मण्डल को महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की

कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया गया।

संस्थान के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी ने बताया कि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, जीवाजी वेधशाला उज्जैन और योग प्रशिक्षण केन्द्र की समेकित वेबसाइट तैयार की गई है। वेबसाइट में लगभग 538 प्राचीन पुस्तकें, संस्थान की परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन के लिये प्रश्न बैंक, आदर्श उत्तर पाठ्य सामग्री, संस्कृत भाषा में अरूण और उदय कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें भी अपलोड की गई है। प्रतिनिधिमण्डल ने आदर्श आवासीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय जो संस्कृत माध्यम में अध्ययन कराता है, उसका दौरा किया। गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष श्री पालीवाल ने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह एवं बोर्ड निदेशक श्री तिवारी को गुजरात राज्य में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिये किये जा रहे कार्यों के अवलोकन के लिये आमंत्रण दिया।

ऊर्जा मंत्री तोमर और एम.डी. सिंघल सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के घर पर लगा स्मार्ट मीटर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर , मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल सहित कंपनी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के परिसर में कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। जिन अधिकारियों के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, उनमें पीडीटीसी के निदेशक श्री अनिल खत्री, महाप्रबंधक प्रशासन एवं पीजीआर श्री संपूर्णानंद शुक्ला, उप मुख्य महाप्रबंधक सतर्कता श्री आरएनएस ठाकुर, महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के.पवार, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश यादव सहित अनेक अधिकारी शामिल हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे स्मार्ट मीटर के फायदों को देखते हुए अपने घरों में स्मार्ट मीटर जरूर लगवाएं। गौरतलब है कि कंपनी के सभी 16 जिलों में उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। अब तक कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 03 लाख, 03 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में 1 लाख 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। जून माह का बिल जो कि जुलाई माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को मिल रही है।

वेबसाइट पर लाइव दिखता रहा वोटिंग स्टेटस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य निर्वाचन आयोग ने आज पहली बार जनपद सदस्य के पद के लिए पेपरलेस निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी कराई। इसके लिए आज सुबह से दमोह जिले के एक जनपद सदस्य के लिए वोटिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही सागर जिले में चार सरपंच पदों के लिए भी पेपरलेस वोटिंग हो रही है। पेपरलेस वोटिंग को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने जो व्यवस्था की है उसमें सागर और दमोह में हो रहे मतदान की लाइव जानकारी वेबसाइट के जरिए मिल रही है। किस पंचायत के किस मतदान केंद्र के लिए कितना प्रतिशत वोटिंग होती जा रही है, इसकी जानकारी भी लाइव मिलती रही। मतदान तीन बजे थम जाएगा। बताया गया कि सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान अभी चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के चुनाव के लिये 9 मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से मतदान कराया जा रहा है। इन मतदान केन्द्रों की मतदान प्रकिया का सीधा प्रसारण भी किया गया। इसके लिये राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के सामने और सागर और दमोह में एक-एक स्क्रीन लगाई गई। यहां मतदान दल को मतदान सामग्री लेने के लिए लाइन नहीं लगानी पड़ी है। मतदान दलों को मतदान केंद्रों में ही मतदान सामग्री सौंपने का काम किया गया है। सागर जिले के जनपद पंचायत जैसीनगर की ग्राम पंचायत अगरा, औरिया, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा और जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमरालहरिया के मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान कराया जा रहा है।

1 अगस्त से शुरू होगा एमपी का पहला लग्जरी वृद्धाश्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश का पहला पेड लग्जरी ओल्ड एज होम यानी वृद्धाश्रम 1 अगस्त से भोपाल में शुरू हो रहा है। करीब 26 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गए इस वृद्धाश्रम को सीनियर सिटिजन की हर जरूरत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। बुजुर्गों को यहां कुछ कपड़े और जरूरत की दवा के साथ पहुंचना होगा, बाकी रहने, खाने-पीने के साथ 24×7 मेडिकल की सुविधाएं मिलेंगी। भोपाल के लिंक रोड-3 के पत्रकार कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम की सुविधाएं किसी 5 स्टार होटल जैसी है और इन सुविधाओं के लिए हर व्यक्ति को हर महीने चुकाने होंगे लगभग 50 हजार रुपए। यदि कपल रहना चाहते हैं तो 82 हजार रुपए लगेंगे। वृद्धाश्रम की व्यवस्था और रखरखाव का पूरा जिम्मा सरकार ने सेवा भारती को सौंपा है। इसे नाम दिया है संध्या छाया। सबसे पहले जानते हैं इसकी खासियत

1. यहां कौन रह सकता है और रहने के लिए सबसे पहले क्या करना होगा?

जवाब- ऐसे बुजुर्ग जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं

नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस सेवाओं का होगा विस्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केंद्रीयकृत वेब आधारित ई-नगर पालिका 2.0 संचालित हो रही है। यह परियोजना डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी एवं त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से नगरीय निकायों में चल रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने वर्ष 2025-26 में ई-गवर्नेंस-आईटी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की है। नगरीय निकायों की सभी सेवाओं को ऑनलाइन नवीन तकनीक से अपग्रेड किया जायेगा। समस्त नगरीय निकायों में नागरिक सेवाओं को ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल एवं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रदाय किया जाएगा।

एनालिटिल डेशबोर्ड: नगरीय क्षेत्रों के सतत् और योजनाबद्ध विकास तथा विभागीय कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिये रियल टाइम डेशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। विभाग की एआई गार्ड योजना में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रयोग किये जाने की भी योजना तैयार की गई है। ई-गवर्नेंस में ज्योग्रोफिकल इन्फॅारमेशन सिस्टम (जीआईएस) के संयोजन के साथ शहरी विकास और सेवा विस्तार में आधुनिक पारदर्शी और डेटा संचालित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जायेगी। जीआईएस पोर्टल पर 90 से अधिक महत्वपूर्ण डाटा लेयर्स का प्रयोग कर इसका विकास किया जायेगा।

नवीन 3.0 पोर्टल: ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम 3.0 पोर्टल (एबीपीएएस) के माध्यम से ऑनलाइन भवन अनुज्ञा की सुविधा समस्त नगरीय निकायों में प्रदाय की जायेगी। इसके साथ ही कॉलोनी विकास अनुज्ञा को भी ऑनलाइन किये जाने को इस वर्ष की कार्ययोजना में शामिल किया गया है।

कमिश्नर ने सीधी और सिंगरौली की नलजल योजनाओं की समीक्षा की

कलेक्टर ने कृषि विभाग एवं नापतौल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शिल्पी प्लाजा ए ब्लाक में संचालित कृषि विभाग एवं नापतौल विभाग के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी, बिल बाउचर, रिकार्ड संधारित सहित कृषकों को प्रदाय किये जाने वाले लाभ से संबंधित योजनाओं के रजिस्टर का गहन निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ईकेवायसी, बीज वितरण, खाद की उपलब्धता एवं फसल बीमा की प्रगति के संबंध में उप संचालक से जानकारी प्राप्त की तथा सभी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में लाभ प्रदाय के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को योजनाओं की जानकारी समय में दें तथा शिकायतों के निराकरण के लिये एक विशेष काउंटर स्थापित करें। उन्होंने रिकार्ड के डिजिटाइजेशन, कार्यालय की साफ-सफाई के निर्देश देते हुए कहा कि यह विभाग जनता की विशेषकर किसानों की सेवा के लिये स्थापित विभाग है। विभाग के अधिकारियों को तत्परता से सेवा भाव के साथ कार्य करने के निर्देश निरीक्षण में कलेक्टर ने दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा नापतौल विभाग में कर्मचारियों के समय से उपस्थित न रहने पर नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिये कि नियत समय में सभी कार्यालय में उपस्थित रहे। अनुपस्थित कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने नापतौल से संबंधित प्रकरणों के संबंध में पूंछताछ की तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण में देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिये कि उपकरणों की जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता लायें तथा किसी भी प्रकार का विलंब व देरी न करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले उपस्थित रहे।

भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन, शहीद परिवारों के कल्याण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, त्यौंथर (निप्र)। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, तहसील त्यौंथर के तत्वावधान में भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रीवा जिले सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से भूतपूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में रिटायर्ड कर्नल डीएस द्विवेदी, कैप्टन अनिल सिंह, लेफ्टिनेंट रामजी मिश्रा, हवलदार सूबेदार रहीश शुक्ला सहित कई सेवानिवृत्त सैनिकों ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से भूतपूर्व सैनिक योगेश तिवारी को तहसील शाखा त्यौंथर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अपने उद्बोधन में योगेश तिवारी ने कहा कि वे त्यौंथर तहसील के शहीद परिवारों, भूतपूर्व सैनिकों और वर्तमान में सेवा दे रहे सैनिकों के कल्याण के लिए पूर्ण निष्ठा और बिना किसी भेदभाव के कार्य करेंगे। उन्होंने जल्द ही तहसील में एक बड़ा आयोजन करने की घोषणा की, जिसमें शहीद परिवारों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम में रिटायर्ड कैप्टन सुनीता पांडे, माधव द्विवेदी, मदसुधन मिश्रा, हवलदार राजू सिंह, सूबेदार मेजर रामजी मिश्रा, सूबेदार कौशल मिश्रा, रिटायर्ड कैप्टन आरके सिंह, रिटायर्ड कैप्टन हीरालाल सिंह, सूबेदार दिनेश सिंह, मेजर सुखदेव माझी, राजकुमार मिश्रा, लेफ्टिनेंट आरएस प्रजापति, राजेंद्र आदिवासी, अरुण गौतम और समाजसेवी जितेंद्र शुक्ला सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

चौकीदारों को एक साल से नहीं मिला वेतन

2500 रुपए के लिए कलेक्टर से गुहार, कहा-परिवार का गुजरा करना मुश्किल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायतों में कार्यरत चौकीदारों की आर्थिक स्थिति चिंताजनक हो गई है। ग्राम हिंनौती सहित 9 गांवों के चौकीदारों को पिछले एक साल से वेतन नहीं मिला है। प्रत्येक चौकीदार को मिलने वाला 2500 रुपए का मासिक वेतन उनके परिवार की आजीविका का मुख्य स्रोत है।

वेतन नहीं मिलने से चौकीदारों के परिवारों में दैनिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। मंगलवार को शाम 4 बजे पीड़ित चौकीदारों ने कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि संबंधित ग्रामों के कर्मचारियों से पूरे प्रकरण की जांच करवाई जाएगी। चौकीदारों का बकाया वेतन जल्द से जल्द दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

ग्राम पंचायतों में चौकीदार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पंचायत की संपत्ति की सुरक्षा करते हैं। ग्राम सभा की बैठकों की सूचना गांववासियों तक पहुंचाते हैं। आपातकालीन स्थिति और शासन के आदेशों की जानकारी लोगों को देते हैं। पंचायत भवन का रखरखाव भी देखते हैं। ग्राम स्तरीय कार्यक्रमों और योजनाओं के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में भी उनकी भूमिका अहम होती है।

भंडारे में गए दो बच्चों की डूबने से मौत

सीधी। जिले के मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम मेडरा में दो बच्चों की खेत में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्चे अलोप माता मंदिर में आयोजित भंडारे में प्रसाद लेने गए थे। मृतक बच्चों की पहचान 6 वर्षीय आयुष पाल और 7 वर्षीय अजय पाल के रूप में हुई है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे की है। मंदिर में भंडारे का आयोजन था। कई बच्चे प्रसाद लेने पहुंचे थे। इसी दौरान चार बच्चे पास के खेत में भरे पानी में नहाने चले गए। आयुष और अजय गहरे पानी में चले गए। इन्हें डूबता देख साथ के बच्चों ने मदद के लिए आवाज लगाई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

भंडारे की वजह से नहीं गए स्कूल: मृतक आयुष के पिता राजबहोर पाल ने बताया कि भंडारे के कारण उनका बेटा स्कूल नहीं गया था। वह अन्य बच्चों के साथ मंदिर गया था। बेटे के देर तक घर न लौटने पर उन्हें चिंता हुई।

250 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा

50 से अधिक परिवारों ने जनसुनवाई में की कलेक्टर से पूर्व सरपंच की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के दुधमनिया तहसील के कतरिहार गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के 50 से अधिक परिवारों ने कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर पूर्व सरपंच पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पूर्व सरपंच रमेश गुर्जर ने करीब 250 एकड़ सरकारी जमीन को फर्जी तरीके से अपने, अपने बाबा, माता और बहन के नाम करा लिया है। इससे गांव के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बुजुर्ग ग्रामीण गुड्डू कुमार गुर्जर ने बताया कि वे इन्हीं सरकारी जमीनों पर खेती करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। पूर्व सरपंच द्वारा जमीन का पट्टा फर्जी तरीके से कराने के बाद ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की जा रही है। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों ने कई बार जनसुनवाई में और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सृजन वर्मा ने तहसीलदार को तत्काल वस्तु स्थिति की जांच करने और अवैध कब्जे पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पिता की पुण्यतिथि पर बेटे ने किया रक्तदान, मानवता की मिसाल कायम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। युवा समाजसेवी और सिंधु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी की प्रेरणा से प्रेरित होकर सर्वत लालवानी ने अपने पिता आवतराम लालवानी की नवमी पुण्यतिथि पर जिला अस्पताल में भर्ती नेहा सेन को रक्तदान कर मानवता की सच्ची सेवा की। इस अवसर पर सर्वत लालवानी ने कहा, "रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। किसी की जान बचाने से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता।"रक्तदान कार्यक्रम में वरुण चांदवानी और मनीष सदानी का विशेष सहयोग रहा। सिंधु विकास समिति के मंत्री संजय वाधवानी ने बताया कि समिति निरंतर समाज के लिए रक्तदान सेवा के माध्यम से इंसानियत का धर्म निभा रही है।इस नेक कार्य के लिए समिति के संरक्षक गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवाणी, मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी, संजय वाधवानी, दिलीप सोनी, गंगाराम सचदेव, मनीष सदानी, बसंत खत्री, महेश रावलानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी, जितेंद्र गावरी, अशोक चांदवानी, दीपक वाधवानी, केशव माखीजा, मनीष टेकवानी, अनिल मोटवानी, अमित घोघवानी, राजकुमार साधवानी, समाजसेविका मोना चोपड़ा, बसंत शर्मा, आशीष मोगिया, राखी होतचंदानी, सिमरन होतचंदानी, अनामिका सोनी, डॉ. मनीष सोई, संजय आहूजा, भरत आहूजा और रूपचंद छूटानी ने सर्वत लालवानी को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जन समस्याओं का समाधान हमारा कर्तव्य और धर्म : सिद्धार्थ तिवारी

मीडिया ऑडीटर, त्यौंथर (निप्र)। विश्राम गृह में क्षेत्रीय विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जनसुनवाई आयोजित कर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किया। जनसुनवाई में आए आवेदनों का निस्तारण करते हुए विधायक ने कुछ शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निदान के लिए अग्रेषित किया। लोगों को संबोधित करते हुए विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा, "जनता की समस्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक जनप्रतिनिधि के नाते हमारा धर्म भी है। जनता की आवाज़ हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करती है। हम जनसुनवाई के माध्यम से आपकी समस्याओं का यथासंभव समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा।" उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वर्णिम मध्य प्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।विधायक ने बिजली और सड़क से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही, बाढ़ प्रभावितों के नुकसान का सर्वे जल्द पूरा करने का आदेश दिया और कहा, "सर्वे कार्य आप पूरा करें, धनराशि लाने की जिम्मेदारी मेरी है।"

ग्राम तेन्दुआ में मिला मानसिक विक्षिप्त बालक

अरूणोदय बालगृह में सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग प्रवेश मिश्रा ने जानकारी देकर बताया है कि शनिवार 19 जुलाई 2025 को जिला सीधी के थाना जमोड़ी अंतर्गत ग्राम तेन्दुआ में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त बालक के अकेले घूमने की सूचना चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 को प्राप्त हुयी। चाइल्ड हेल्प लाइन सीधी द्वारा थाना प्रभारी जमोड़ी को सूचना दी गयी। थाना जमोड़ी के डॉयल 100 के द्वारा बालक का त्वरित रेस्क्यू कर प्राथमिक चिकित्सकीय जांच के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। तत्पश्चात रात्रि लगभग दस बजें बालक को अरूणोदय सेवा संस्थान बालगृह (बालक) पड़रा सीधी में आश्रय प्रदान किया गया।

मिश्रा द्वारा जानकारी दी गयी कि बालक अपना व माता-पिता का नाम, पता या संपर्क नंबर के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है। बालक के दाहिने हाथ में राजू लिखा हुआ है, बालक मानसिक रूप से विक्षिप्त है एवं बालक जब पुलिस को प्राप्त हुआ है उस समय एक आसमानी नीले रंग का चेक वाला शर्ट एवं लोवर पहने हुये था, बालक का रंग सावला एवं शरीर इकहरा है कुछ बोल नहीं पाता है।

परिवीक्षा अधिकारी अनुराग पाण्डेय द्वारा बताया गया कि बालक की परिजनों को तलाशने के लिए जिले भर में अभियान चलाया गया है। बालक के संबंध में कोई भी जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, बाल कल्याण समिति सीधी, वन स्टॉप सेन्टर सीधी या अरूणोदय बालगृह पड़रा सीधी को दी जा सकती है अथवा कार्यालय के फोन नं. 07822356404 या मो.नं. 7389281955 पर ही दी जा सकती है।

बालक को त्वरित रेस्क्यू कर बालगृह में सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने में महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी चाइल्ड हेल्प लाइन सीधी के कर्मचारियों एवं थाना जमोड़ी के थाना प्रभारी व डॉयल 100 में कार्यरत आरक्षक संजय सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही है।

"स्कूली शिक्षा के विभिन्न आधारभूत आयाम" विषय पर शिक्षा विभाग की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग के सभी जिला तथा विकासखंड स्तरीय अधिकारियों समस्त हितधारकों, शिक्षाविदों तथा शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों से विचार विमर्श करते हुए जिला स्तर का एक फीडबैक नोट तैयार किया जाना है। पवन कुमार सिंह ज़िला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 सीधी में प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और बीआरसीसी की बैठक आयोजित की गई और फीडबैक लिया गया। इस फीडबैक के आधार पर भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा भविष्य में स्कूल शिक्षा विभाग हेतु नीतियों का निर्धारण करते हुए योजनाओं तथा कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 195 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 195 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर एस पी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में स्टाप डायरिया सह दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ

22 जुलाई से 16 सितम्बर तक चलेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार दस्तक अभियान वर्ष 2025- 26 के प्रथम चरण का शुभारंभ मंगलवार, 22 जुलाई को किया गया। यह अभियान 16 सितम्बर तक संचालित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे ने बताया कि दस्तक अभियान के सत्र आंगवाड़ी केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे। जहां 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान में निहित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शेष छूटे हुए बच्चों एवं नवजात शिशुओं हेतु मापअप के दौरान एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का संयुक्त दल बच्चों के घर-घर जाकर दस्तक सेवाएं देंगी। सत्र एवं मापअप के दौरान बच्चों में बीमारियों की पहचान आवश्यक उपचार एवं त्वरित रेफरल सुनिश्चित किया जाएगा। दस्तक दल का नेतृत्व एएनएम द्वारा किया जाएगा। आशा एवं आगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहयोगी की भूमिका में होगीं।

दस्तक दल द्वारा छूटे हुए बच्चों एवं दल के पर्यवेक्षण हेतु सीएचओ उत्तरदायी होंगे। स्टाफडायरिया कैम्पेन के माध्यम से समुदाय एवं संस्था आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समुदाय आधारित सेवाओं में 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट जिसमें 2 माह तक के बच्चे शामिल नहीं होंगे, दस्त रोग के प्रकरणों में अनिवार्यतः निर्जलीकरण का वर्गीकरण कर आवश्यक उपचार एवं रेफर करने, सत्र के दौरान उपस्थित समुदाय के लोगों के समक्ष ओआरएस घोल बनाने की विधि का प्रदर्शन, समुदाय को जिंक टैबलेट का महत्व एवं लक्षणों की समझाईस देने के साथ ही साफसफाई के महत्व को समझाने एवं हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि संस्था आधारित गतिविधियों में आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में ओआरएस कार्नर स्थापित करने निर्जलीकरण के मापदंड एवं उसके उपचार का प्रदर्शन तथा मानक उपचार, ओपीडी में आने वाले दस्त रोग वाले बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट देने, गंभीर कुपोषण के साथ निर्जली करण के चिन्हांकित बच्चों का मानक अनुसार उपचार करना, ओआरएस एवं जिंक टैबलेट के उपयोग पर चर्चा शामिल हैं। विकासखंड स्तर पर ग्रामवार माइक्रोप्लान संबंधित बीएमओ द्वारा तैयार किया गया है। जिला स्तर पर समय-समय पर माइक्रोप्लान की समीक्षा एवं सुधार जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

जिला अस्पताल में नवजात की मौत पर हंगामा, डॉक्टर बोले- गर्भ में ही हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिला अस्पताल में नवजात की मौत के मामले में परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृत बच्चे के पिता संजू प्रजापति और नानी प्रेमवती ने बताया कि बच्चे के शव पर कई जगह चाकू जैसी चीज से कटे होने के निशान मिले हैं। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही से बच्चे की मौत हुई है। उनका कहना है कि ऑपरेशन के औजार बच्चे को लगने से यह स्थिति बनी। इस घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में काफी देर तक हंगामा किया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. देवेंद्र सिंह ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने बताया कि मरीज देवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रेफर होकर आई थी। बच्चे की मौत गर्भ में ही हो चुकी थी। डॉक्टरों ने केवल ऑपरेशन करके मृत बच्चे को बाहर निकाला। इस मामले में अभी तक न तो अस्पताल प्रबंधन को कोई लिखित शिकायत मिली है और न ही पुलिस में कोई रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सिंगरौली जिले के ट्रॉमा सेंटर पर पहले भी इलाज में लापरवाही के आरोप लग चुके हैं।

विचार

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस- हाई कोर्ट का फैसला जांच एजेंसी के लिए बड़ा झटका, पीड़ितों को कब मिलेगा न्याय?

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को 11 जुलाई, 2006 को एक के बाद एक, कई बम धमाकों से दहला दिया गया था। आज भी मुंबई के लोग उस दिन को भूल नहीं पा रहे हैं। 11 जुलाई, 2006 को शाम के 6.24 बजे के लगभग जब लोग मुंबई लोकल से अपने घरों को लौट रहे थे तो सात जगहों पर हुए सीरियल बम धमाकों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया था। जांच में पता लगा कि मुंबई को दहलाने के लिए उच्च क्षमता वाले आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट को प्रेशर कुकरों में भर कर ट्रेन में ले जाया गया था। इन बमों में बकायदा टाइमर लगाए गए थे। मुंबई की अलग-अलग रेल लाइनों में यह धमाके 6.35 तक हुए यानी 11 मिनट तक पूरी मुंबई दहलती रही। इन सीरियल बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हुई थी और 824 लोग घायल हुए थे। लेकिन 19 वर्षों बाद, जुलाई के महीने में ही आए बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले ने सबको चौंका कर रख दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट में दो जजों की बेंच ने अभियोजन पक्ष को कड़ी फटकार लगाते हुए निचली अदालत से दोषी करार दिए गए सभी 12 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को दिए अपने फैसले में यह माना कि अभियोजन पक्ष 19 वर्ष पुराने इस मामले में आरोपियों पर लगे आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा। हाई कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को फटकार लगाते हुए गवाही से लेकर पहचान परेड की प्रक्रिया तक पर भी सवाल उठा दिए। अदालत ने कहा कि गवाहों के बयान और साक्ष्य आरोपियों को निचली अदालत से मिली सजा को कायम रखने का भरोसा पैदा नहीं करते हैं। यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है। यह टिप्पणी करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के सितंबर 2015 में दिए गए फैसले (जिसमें 12 लोगों को सीरियल बम धमाके का गुनाहगार माना गया था) को रद्द करते हुए सभी 12 लोगों को बरी कर दिया। गौरतलब है कि, मकोका की विशेष अदालत ने इन बम धमाकों के मामले में इन 12 आरोपियों में से 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इन आरोपियों में इंजीनियर और कॉल सेंटर के कर्मचारी तक शामिल थे। लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले ने अभियोजन पक्ष (सरकारी वकील) के सिस्टम के साथ ही महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की कार्यप्रणाली पर ही बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पिछले 19 वर्षों के दौरान जांच की प्रक्रिया और अदालती सुनवाई के रिकॉर्ड को देखने पर तस्वीर पूरी तरह से साफ हो जाती है। वर्ष 2023 में तो सरकार की उदासीनता पर गहरी नाराजगी जताते हुए अदालत ने विशेष सरकारी वकील की नियुक्ति नहीं किए जाने को लेकर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को तलब करने तक की चेतावनी दे दी थी। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा हो रहा है कि मुंबई की ट्रेनों में 7 बम धमाके, 187 मौतें, 824 घायल, 19 वर्षों की जांच और अदालती सुनवाई के बावजूद गुनाहगार की संख्या शून्य यानी जीरो। अगर महाराष्ट्र सरकार के मुताबिक, ये 12 लोग दोषी थे तो फिर इनके खिलाफ ठोस सबूत हाई कोर्ट के सामने पेश क्यों नहीं किए गए और अगर ये 12 लोग वाकई निर्दोष हैं (जैसा कि अदालत ने माना है) तो फिर इन बम धमाकों के असली साजिशकर्ता/ गुनाहगार कहां है ? इन सवालों का जवाब महाराष्ट्र की पुलिस, अभियोजन पक्ष और महाराष्ट्र सरकार को देना ही चाहिए। हालांकि अभी भी सरकार के पास बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का विकल्प मौजूद है। लेकिन इस कानूनी लड़ाई के साथ ही जांच एजेंसियों और खासतौर पर सरकार को आगे आकर पीड़ितों को न्याय दिलाने की ठोस पहल करनी ही चाहिए। इसके साथ ही हमें आतंकवादी घटनाओं और बम धमाकों जैसे अपराधों की जांच के लिए एक स्थ्क्कभी बनाने की जरूरत है जिसमें जांच से लेकर अदालतों में सुनवाई तक का फुलप्रूफ सिस्टम होना चाहिए ताकि किसी भी स्तर पर कोताही की कोई भी गुंजाइश बचे ही ना। लेकिन क्या वाकई ऐसा हो पाएगा ?

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

प्रह्लाद सबनानी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं।

योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत: इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में स्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अत: अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। इसके पूर्व में केंद्र सरकार ने भी देश के 12 शहरों को हृदय योजना के अंतर्गत भारत के विरासत शहरों के तौर पर विकसित करने की घोषणा की है। ये शहर हैं, अमृतसर, द्वारका, गया, कामाख्या, कांचीपुरम, केदारनाथ, मथुरा, पुरी, वाराणसी, वेल्लांकनी, अमरावती एवं अजमेर। हृदय योजना के अंतर्गत इन शहरों का सौंद्रयीकरण किया जा रहा है ताकि इन शहरों की पुरानी विरासत को पुनर्विकसित कर पुनर्जीवित किया जा सके। इस हेतु देश में 15 धार्मिक सर्किट भी विकसित किये जा रहे हैं। हृदय योजना को लागू करने के बाद से केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें से अधिकतर परियोजनाओं पर काम भी प्रारम्भ हो चुका है। इन सभी योजनाओं का चयन सम्बंधित राज्य सरकारों की राय के आधार पर किया गया है।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपए का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। देश के नागरिक एवं अन्य देशों के पर्यटक भारत में पर्यटन के लिए घरों से बाहर निकलने लगे हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं आम भारतीयों की डिसपोजेबले आय में भी वृद्धि दर्ज हुई है। अत: भारतीय नागरिक, विदेशी स्थलों पर पर्यटन के लिए जाने के स्थान पर अब भारत में ही विभिन्न स्थलों पर पर्यटन करने लगे हैं। इस बीच देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। होटल उद्योग ने भारी मात्रा में होटलों का निर्माण कर पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कमरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। रेल एवं हवाई यात्रा को बहुत सुगम बनाया गया है तथा 4 लेन से लेकर 8 लेन की सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। इससे कुल मिलाकर अब भारतीय परिवार अपने घर से बाहर भी घर जैसा वातावरण एवं आराम महसूस करने लगे है। अत: अब भारतीय परिवार वर्ष में कम से कम एक बार तो पर्यटन के लिए अपने घर से बाहर निकलने लगे हैं।

वर्ष 2023 में भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों में 124 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है और 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए हैं, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटन से विदेशी मुद्रा की आय 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.71 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गई है। गोवा, केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, पश्चिमी बंगाल एवं पंजाब में देशी पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अब तो उत्तर प्रदेश भी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

कावड-यात्रा- धर्म, संस्कृति, परंपरा व सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम

दीपक कुमार त्यागी

पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इसलिए शिव भक्तों के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके कांवड़ से लाये पवित्र जल के माध्यम से जलाभिषेक करके इसको एक भव्य महापर्व के रूप में मनाया जाता है। हालांकि पूरे श्रावण मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों खासतौर पर गंगा के जल को सनातन धर्म की बेहद प्राचीन धर्म-संस्कृति व परंपराओं के अनुसार लाकर भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

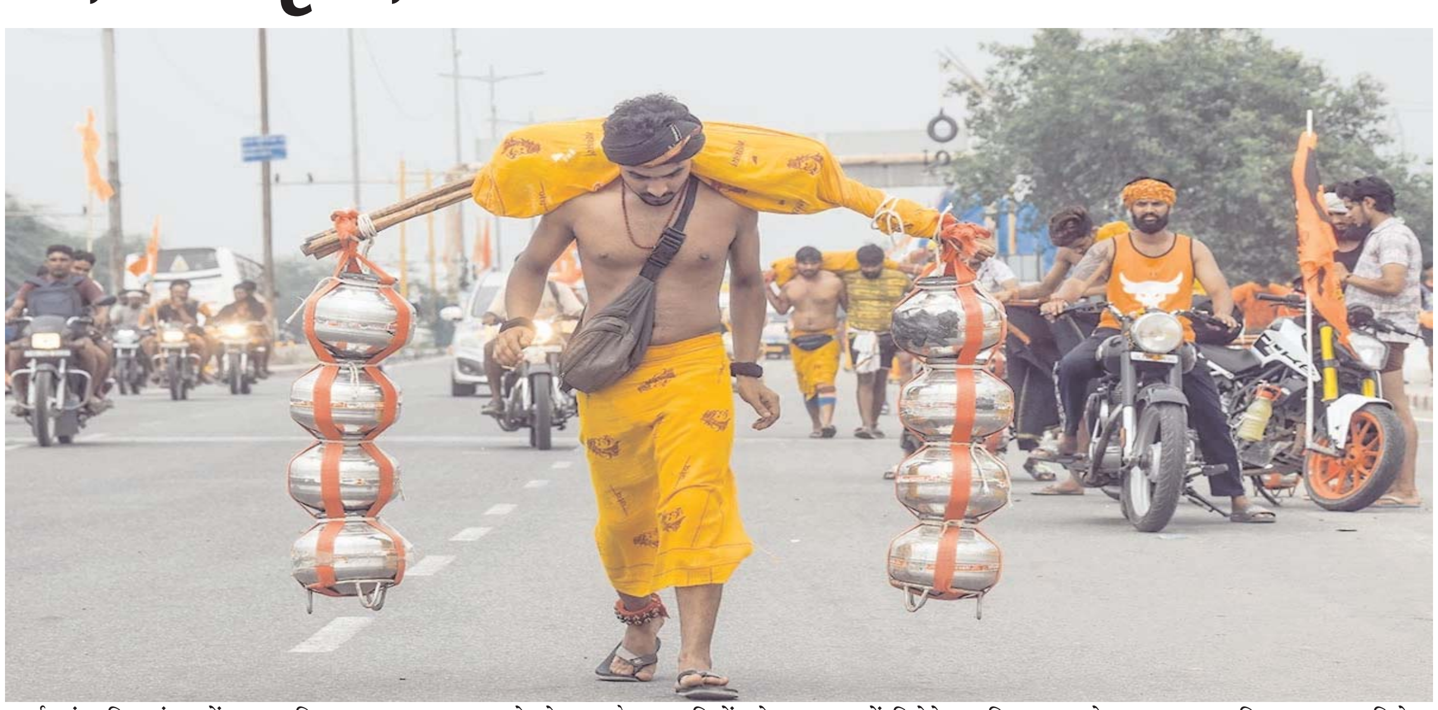

देश-दुनिया में पवित्र नदियों के जल को शिव भक्तों के कंधे पर बांस की बनी कांवड़ के दोनों सिरों पर लटके हुए कलश में लेकर के आने की इस अद्भुत यात्रा को ही कांवड़ यात्रा कहते हैं। सदियों के बाद आज के दौर में शिव भक्त हर वर्ष तरह-तरह की कांवड़ लेकर आते हैं, जो लोगों को आकर्षित करने का कार्य करती हैं। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह यात्रा प्राचीन धर्म-संस्कृति, परंपराओं व सामाजिक समरसता का एक विशाल अद्भुत संगम है। भगवान शिव के आशिर्वाद से हर वर्ष ही कांवड़ यात्रा से जहां एक तरफ तो लाखों लोगों को रोजगार मिलने से उनका परिवार पलता है, वहीं दूसरी तरफ यह भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके उन्हें खुश करने का एक बड़ा अवसर भक्तों को मिलता है। कांवड़ यात्रा लोगों को एक जुट रहकर के जल की एक-एक बूंद की अहमियत को बताते हुए प्रकृति की पूजा के बारे में बताती है, वहीं सनातन धर्मियों को बड़े पैमाने पर इकट्ठा करके जातियों के जहरीले बंधनों को तोड़कर के सनातनियों को एक सूत्र में पिरोने का एक बहुत बड़ा संदेश भी देती है। कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं। शिव भक्त कांवड़िए कांवड़ अलग-अलग तरह की कांवड़ लेकर आते हैं। बहुत सारे भक्त सामान्य कांवड़ लेकर पैदल चलते हैं जिसमें आवश्यकताओं अनुसार भक्त विश्राम करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लाते हैं। वहीं डाक कांवड़ में शिवभक्त गंगा जल लेकर लगातार दौड़ लगाने की कठिन तपस्या करते हुए, शिव-शंभु का जलाभिषेक करते हैं, यह कांवड़ आजकल बहुत ज्यादा प्रचलन में है। वहीं खड़ी कांवड़ में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता है, विश्राम करते समय भी दूसरा साथी कांवड़ कंधों पर रखता है। वहीं कुछ शिव भक्त बैठी कांवड़ लेकर आते जिसमें वह कांवड़ पास रखकर के बैठकर आराम कर सकते हैं। वहीं कुछ भक्त दंडी कांवड़ लेकर आते हैं जो सबसे कठिन होती है, इसमें कांवड़िया दंडवत प्रणाम करते हुए निशान लगाते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं, यह सबसे कठिन प्रकार की कांवड़ यात्रा होती है। सदियों पहले कांवड़ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई, इसके संदर्भ में कई पौराणिक मान्यताएं हैं, माना जाता है कि समुद्र मंथन में निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने जब पीकर अपने कंठ में इकट्ठा कर लिया था, तो देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। वहीं कुछ पौराणिक कथाओं के मतानुसार रावण को ही पहला कांवड़िया माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान शिव समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर जब ताप से बेहद व्याकुल हो गए थे, तब उन्होंने अपने अनन्य भक्त लंका नरेश रावण को पुकारा था, शिव भक्त रावण ने तत्काल उपस्थित होकर भगवान शिव के हालात देखकर के उनका जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। जिससे भगवान शिव को शांति मिली थी। यह भी कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगा से जल लाकर के जब पुरा महादेव मंदिर बागपत में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई है। वहीं रामायण में उल्लेख मिलता है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने अपने नेत्रहीन माता-पिता को बांस की डंडे के दोनों ओर बंधी टोकरियों में बैठाकर गंगा स्नान व तीर्थाटन करवाने की यात्रा शुरू की थी, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई। हांलांकि आज भी कांवड़ यात्रा में चंद विधर्मी हुड़दंगियों को छोड़ दिया जाए तो यह एक बहुत ही कठिन जप-तप वाली तपस्या है, जोकि शिव भक्त कांवड़ियों के अपने आराध्य भगवान शिव पर अटूट विश्वास के दम पर ही पूर्ण होती है। शिव भक्तों की कांवड़ भगवान शिव के प्रति आस्था अटूट समर्पण और भक्ति का प्रतीक है।

झगराखांड हाई स्कूल में हुआ दूसरा जागरूकता सत्र, बालिकाओं को मिला डिजिटल साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम कदम उठाया गया। शासकीय हाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झगराखांड में "ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता" विषय पर द्वितीय सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण (हब) "मिशन शक्ति" के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक किया गया। यह सत्र वर्तमान समय में बालिकाओं के प्रति बढ़ते हुए साइबर अपराधों की रोकथाम और उनसे सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक था। सत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग जालसाजी, मैलवेयर, रैनसमवेयर,

सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमले एवं साइबर जासूसी जैसे खतरों के प्रति जागरूकता पर विशेष बल दिया गया। पुलिस विभाग से उपस्थित उषा राजवाड़े ने बालिकाओं को इंटरनेट से जुड़ी सावधानियों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराधों के प्रकार और उनसे कैसे बचा जाए, इस विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन से संपर्क के तरीके और जागरूकता के स्तर को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। सत्र में विशिष्ट भागीदारी निभाते हुए स्वयंसेवी अंजनी यादव (थाना झगराखांड) ने बालिकाओं को साइबर से जुड़ी नई चुनौतियों और अपराधों के प्रति सजग रहने की सीख दी। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की भावना को साझा करते हुए बालिकाओं को विभिन्न प्रकार के अपराधों, उनके कारण और संभावित समाधान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित योजनाएं और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता के विषय में भी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बालिकाओं के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, आत्मरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति की जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता एवं वित्तीय साक्षरता समन्वयक अनीता कुमारी साह द्वारा नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना एवं नवा बिहान जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य रेखा पांडे तथा व्याख्याता संदीप तिर्की, साकेत बिहारी सिंह, संध्या भगत एवं साक्षी यादव के सहयोग से पूरे सत्र का सफल आयोजन संभव हो सका। कार्यक्रम में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न मुद्दों पर सवाल-जवाब किए और अपनी जागरूकता को नए स्तर तक पहुँचाया। सत्र का समापन बालिकाओं के सुरक्षित, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ किया गया।

भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी का विरोध

कांग्रेस ने की आर्थिक नाकेबंदी, हाईवे पर जलाए टायर

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने आर्थिक नाकेबंदी शुरू कर दी है। कोरबा में अंबिकापुर-कटघोरा नेशनल हाईवे 130 पर जेजरा बायपास चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने ईडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क पर टायर जलाकर चक्का जाम किया। कांग्रेस का आरोप है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक प्रेरित है और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास है। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया और कटघोरा के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

पूरे प्रदेश में हुआ प्रदर्शन: विधायक फूल सिंह राठिया ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन पूरे छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। पूर्व विधायक मोहितराम केरकेटा ने बताया कि ईडी ने चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन पर गिरफ्तार किया है, ये राजनीतिक षडयंत्र है। कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनोज चौहान ने इस कार्रवाई को दुखद बताया। प्रदर्शन दोपहर 12 से 2 बजे तक चला। इस दौरान केवल मालवाहक वाहनों को रोका गया। सवारी वाहनों को जाने दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

9 साल बाद छत्तीसगढ़ में उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए जाएंगे

राष्ट्रीय खेल दिवस के एक सप्ताह पहले होगा अनाउंसमेंट, पहली-लिस्ट में 60 खिलाड़ियों के नाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर खेल प्रतियोगिताओं में मेडल लाने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी पिछले 9 साल से उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित करने की मांग कर रहे थे। जिस पर वर्तमान सरकार ने निर्णय ले लिया है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची अगले महीने राष्ट्रीय खेल दिवस के एक सप्ताह पहले जारी कर दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक, पहली सूची में 60 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के नाम जारी किए जाएंगे। इसके बाद अन्य पात्र खिलाड़ियों के नाम परीक्षण के बाद जारी होंगे। इस मामले में खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। पहली सूची में जिन 60 खिलाड़ियों के नाम हैं, उन्हें खेल दिवस पर प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

9 साल तक चला खिलाड़ियों का संघर्ष: उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित करने की मांग को लेकर पिछले कई सालों से प्रदेशभर के पदक विजेता खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे थे। कई दफा इन खिलाड़ियों ने सड़क आकर आंदोलन भी किया। खिलाड़ियों ने कई बार खेल विभाग के सामने धरना प्रदर्शन किया। पैदल मार्च भी निकाला। इसके अलावा मुख्यमंत्री, खेलमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष समेत कई नेताओं को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। अब 9 साल बाद खिलाड़ियों का संघर्ष सफल होने जा रहा है।

सरकारी विभागों में मिलेगी नौकरी, 2 फीसदी पद आरक्षित: उत्कृष्ट खिलाड़ी बनने के बाद खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी मिलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। प्रदेश के सभी विभागों में खाली पदों के 2 फीसदी पद उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। उत्कृष्ट नहीं बनने के कारण खिलाड़ियों के लिए आरक्षित पदों पर उन्हें नौकरी नहीं दी जा रही है। बता दें कि साल 2015 तक 100 से ज्यादा उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए गए थे, इनमें से कई वर्तमान में नौकरी कर रहे हैं।

650 में से सिर्फ 250 आवेदन ही उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए पात्र: उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए साल 2018-19, 2019-20 में खेल विभाग को कुल 783 आवेदन मिले थे। वहीं 2018-19 में 344 और 2019-20 में 439 आवेदन मिले । दोनों वित्तीय वर्ष के आवेदनों की जांच करने के बाद लगभग 125 खिलाड़ियों ने दो बार आवेदन किए थे। वहीं से 2 से 3 खिलाड़ियों ने तीन बार आवेदन किए थे। फिल्टर के बाद कुल 650 खिलाड़ियों के आवेदनों की स्क्रुटनी की गई। इसमें लगभग 200 खिलाड़ी पुराने नियमों के अनुसार उत्कृष्ट के लिए पात्र पाए गए। वहीं 450 खिलाड़ियों के आवेदन अपात्र कर दिए गए।

हाई कोर्ट ने मामले को कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती माना

हाईवे पर रईसजादों ने बनाई रील, कोर्ट ने पूछा- एफआईआर, वाहन जब्त क्यों नहीं किए

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। नेता के बेटे और उसके रसूखदार दोस्तों ने महंगी कारों के काफिले को बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर खड़ी कर रील बनाने के बाद इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया। रील बनाने तक सड़क के एक ओर जाम लगा रहा। इस पर कोर्ट ने संज्ञान लिया है। मुख्य सचिव को शपथ पत्र के साथ जवाब देने को कहा गया है। पूछा कि यह कानून व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है, लेकिन पुलिस ने केवल जुर्माना वसूला और ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने का प्रस्ताव ही भेजा, गाड़ियां जब्त क्यों नहीं की? चीफ जस्टिस सिन्हा के नेतृत्व वाली बेंच ने कहा कि यह बेहद चिंता की बात है कि बार-बार हाईवे जैसे सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की शरारतें दोहराई जा रही हैं। ये लोग यह न सिर्फ खुद की जान जोखिम में डालते हैं बल्कि दूसरों की जिंदगी से भी खिलवाड़ करते हैं। जब कोई रईस बच्चा इस तरह की हरकत करता है, तो पुलिस की ढिलाई और ज्यादा चिंताजनक हो जाती है। न जुर्माना असरदार है, न ही गाड़ियां जब्त की गईं। इसके अलावा मोटर व्हीकल एक्ट या अन्य एक्ट के तहत केस दर्ज नहीं किया गया। जबकि यह सार्वजनिक सड़क को बाधित करने और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने का मामला है।

दरअसल, भाजपा नेता के करीबी और कांग्रेस नेता विनय शर्मा के बेटे वेदांश शर्मा और उसके दोस्तों ने काली टोयोटा फॉरच्यूनर गाड़ियों के काफिले में रतनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर खुलेआम स्टंट किए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार न सिर्फ सड़क के बीच गाड़ियां खड़ी कर दीं, बल्कि वीडियो शूट के लिए प्रोफेशनल वीडियोग्राफर और तेज लाइट्स तक का इंतजाम किया। इस दौरान जाम लग गया। पुलिस ने सिर्फ जुर्माना वसूल कर छोड़ दिया: वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर 2000 रुपए प्रति गाड़ी जुर्माना लगाया और आरटीओ को ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव भेजा। इससे पहले 4 जुलाई को भी डीएसपी की पत्नी ने भी ऐसा स्टंट किया था। इस मामले पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया था। बिलासपुर की घटना के कारण मामले पर तय समय से पहले सुनवाई की गई।

सख्ती के बाद पुलिस ने रात 12 बजे थाने मंगवा ली गाड़ियां: हाई कोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस भी देर रात हरकत में आ गई। बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर जिन वाहनों को खड़े कर जाम लगाया गया, उन्हें रात 12 बजे सकरी थाने में बुला लिया गया। पुलिस ने रात करीब 12:30 बजे तक थाना परिसर में 6 वाहन रखवा लिए।

शहर के 52 मोहल्ला क्लीनिकों में से 25 में डॉक्टर नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। लोगों के घर के पास ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर में हमर क्लीनिक की शुरुआत हुई थी। यहां करीब 150 प्रकार की दवाइयां और कई प्रकार की जांच भी होनी थी। इसके लिए एक डॉक्टर, स्टाफ नर्स सहित 5 लोगों का सेटअप दिया गया था। लेकिन इसकी हालिया स्थिति कुछ और ही है। मीडिया टीम ने शहर के 10 से ज्यादा हमर क्लीनिक की पड़ताल की। त्रिमूर्ति नगर, तेलीबांधा, श्यामनगर, मठपुरैना, मोवा, बीरगांव, हांडीपारा, राठौर चौक, मठपारा, देवेंद्र नगर, नयापारा, पारस नगर जैसे कई जगहों पर टीम गई। एक-दो जगह छोड़कर बाकी सभी केंद्रों से डॉक्टर नदारद मिले। शहर के 25 हमर क्लीनिकों में डॉक्टर नहीं हैं। कई क्लीनिक तो एक कमरे में चल रहे हैं। वहां न बाथरुम है, न ही मरीज को इंजेक्शन लगाने के लिए बेड है। कई क्लीनिकों में तो दवाइयां भी नहीं हैं। कई जगह टिटनेस के इंजेक्शन भी नहीं हैं। कहीं नर्स मरीजों को देखकर दवाइयां दे रही है, तो कहीं ग्रेड-4 कर्मचारी दवाइयां दे रहे हैं।

3 बाइक को रौंदते हुए आगे निकली कार, 5 गंभीर

स्थानीय लोगों ने नशे में धुत आरोपियों को पीटा

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जिले में एक तेज रफ्तार कार 3 बाइक को रौंदते हुए आगे निकल गई। हादसे में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना 21 जुलाई की रात साढ़े 8 बजे की है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम लटिया का है। बताया जा रहा है इको कार ड्राइवर नशे में था। घटना में घोड़ाधार मंदिर के पास बिलासपुर की ओर से स्पीड से कार चलाते हुए आ रहा था।

टक्कर इतनी तेज थी कि सभी लोग सड़क पर दूर जा गिरे। घायलों में से एक व्यक्ति की हालत इतनी गंभीर है कि वह बोल भी नहीं पा रहा है। घटना के बाद लोगों ने कार सवार अन्य लोगों को पीटा, लेकिन ड्राइवर भाग गया।

गंभीर घायलों को बिलासपुर रेफर: घायलों में भागीरथी, शुभम, सागर दास, कंचन दास महंत और विनोद यादव शामिल है। घायलों को सड़क पर पड़े देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सभी घायलों को पहले अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

फरार ड्राइवर की तलाश जारी: जब लोगों को पता चला कि इको वाहन में सवार तीनों युवक नशे में थे, तो भीड़ ने उन्हें वाहन से निकालकर पीटा। कुछ घायल भी नशे की हालत में पाए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इको वाहन में सवार आरोपियों की पूरी पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। फरार चालक की तलाश जारी है।

बस ने खड़े ट्रक को मारी टक्कर, ड्राइवर की मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रक को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक ड्राइवर नीचे गिर गया और उसकी मौके पर मौत हो गई। ड्राइवर के साथ खड़ा खलासी उछलकर दूर जा गिरा। उसे भी चोटें आई हैं। ट्रक में मछली लोड थी, जिसे लूटने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लग गई। मामला उदयपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-130 पर मछली लोड कर अंबिकापुर की ओर आ रहा माजदा ट्रक क्रमांक सीजी 16 सीई 7423 मंगलवार तड़के ट्रक उदयपुर थाने से कुछ दूर विशुनपुर पहुंचा और डीजल खत्म होने के कारण बंद हो गया। ट्रक ड्राइवर दिलीप कुमार यादव (31) ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। ट्रक को फिर से चालू करने के लिए चालक ने केबिन खोला और पंप चला रहा था, ताकि डीजल इंजन तक पहुंचे और वह पेट्रोल पंप तक पहुंच सके।

बस ने खड़े ट्रक को मारी टक्कर: नेशनल हाईवे पर रायपुर से तेज रफ्तार अंबिकापुर की ओर जा रही नवीन बस क्रमांक सीजी 04 एमजे 5713 ने नेशनल हाईवे के किनारे खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का चालक दिलीप कुमार यादव केबिन से नीचे गिर गया और ट्रक के नीचे आ गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर मौत हो गई।

ट्रक का खलासी मोबाइल का टार्च चालू कर लाइट दिखा रहा था। बस की टक्कर से वह उछलकर नीचे जा गिरा, जिससे उसे भी चोटें आई हैं। हालांकि उसकी जान बच गई। बस की टक्कर के बाद ट्रक पर चलते हुए नीचे उतरकर आधा पलट गया। हादसे के बाद बच करीब 100 मीटर आगे जाकर रुक गई।

मछली लूटने पहुंचे ग्रामीण, पुलिस ने यात्रियों को भेजा: हादसे के बाद ट्रक में लोड मछलियां भी बिखर गईं। इसकी सूचना ग्रामीणों को मिली तो वे बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और मछली लूटकर ले गए। हादसे की सूचना पर उदयपुर थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने दूसरी बसों को रोककर नवीन बस के सवारों को अंबिकापुर भेजने की व्यवस्था की। पुलिस ने मामले में बस के चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। मृतक चालक दिलीप कुमार यादव के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

शिक्षकों की कमी, स्कूल में जड़ा ताला

अंग्रेजी-संस्कृत की क्लास पूरी तरह बंद, नियुक्ति की मांग पर अड़े पेरेंट्स

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जिले में शिक्षकों को कमी को लेकर स्टूडेंट्स और पेरेंट्स ने मंगलवार को स्कूल में ताला जड़ दिया है। नवागढ़ ब्लॉक के शिउड़ हाई स्कूल में अंग्रेजी और संस्कृत के शिक्षकों की कमी है। वे तत्काल नियुक्ति की मांग पर अड़े हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, स्कूल में अंग्रेजी विषय के शिक्षक अमित मैसी को पिछले तीन साल से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेजस नवागढ़ में अटैच किया गया है। दूसरे अंग्रेजी शिक्षक लक्ष्मीप्रसाद सूर्यवंशी का ट्रांसफर महंत हाई स्कूल में कर दिया गया है।

अंग्रेजी और संस्कृत की कक्षाएं पूरी तरह हो गई है बंद: ऐसे में शिउड़ हाई स्कूल में अंग्रेजी और संस्कृत की कक्षाएं पूरी तरह बंद हो गई है। स्टूडेंट्स और पेरेंट्स लगातार प्रशासन से शिक्षकों की मांग कर रहे थे। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बोर्ड परीक्षा नजदीक होने के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

प्रशासन को पहले ही दी थी चेतावनी: स्टूडेंट्स ने पहले ही प्रशासन को चेतावनी दी थी कि अगर समाधान नहीं निकला तो वे स्कूल में ताला लगाएंगे। स्कूल के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जमा है। वे शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। स्टूडेंट्स और पेरेंट्स का कहना है कि जब तक शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी, स्कूल का ताला नहीं खुलेगा।

आयुष्मान में फर्जी क्लेम पर कलेक्टर सख्त

निजी अस्पतालों की निगरानी के निर्देश; 102 एंबुलेंस में ईएमटी की होगी नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने आयुष्मान योजना में फर्जी क्लेम रोकने के लिए कड़े निर्देश दिए। बीएमओ को विकासखंड स्तर पर प्राइवेट अस्पतालों की निगरानी करने को कहा। साथ ही सीएमएचओ को निजी अस्पतालों के क्लेम की जांच का जिम्मा सौंपा। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बरसात के मौसम में डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर निगम से समन्वय बनाने के निर्देश दिए। टीबी और कुष्ठ रोगियों की पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

प्रसव सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश: बैठक में स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। जहां 20 से अधिक प्रसव हो रहे हैं, वहां संसाधनों की कमी नहीं होनी चाहिए। रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला मरीजों की कम संख्या पर चिंता जताई।

100 प्रतिशत क्षमता का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश: 102 एंबुलेंस में ईएमटी की कमी को देखते हुए डीएमएफ से नई नियुक्तियां करने के निर्देश दिए। एनआरसी में 100 प्रतिशत क्षमता का उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि संस्थागत कमी के कारण किसी भी शिशु की मृत्यु नहीं होनी चाहिए।

गुणवत्ता और दरों का ध्यान रखने के निर्देश: उन्होंने एक्सरे और अन्य उपकरणों की खरीद में गुणवत्ता और प्रचलित दरों का ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में वयोवृद्ध शिविर, मलेरिया, सिकलसेल जांच, आयुष्मान कार्ड, मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार कल्याण समेत विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कलेक्टर जनदर्शन में समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे रहे आम नागरिक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी.बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आवेदक कमला देवी निवासी खोंगापानी भूमि के संबंध में, संजय मुक्ति प्रताप एक्का निवासी मनवारी भूमि के संबंध में, सनमन मिंज निवासी बौरीडांड पट्टा देने के संबंध में, प्रधान पाठक सरस्वती शिशु मंदिर बहरासी अनुदान राशि प्राप्त न होने के संबंध में, मीनू केवट निवासी जनकपुर बच्चे के इलाज के संबंध में, राम चंद निवासी चिरमिरी बैंक में पैसा जमा है नही देने के संबंध में, गोलारी देवी निवासी चिरमिरी उचित कार्यवाही एवं उचित न्याय हेतु स्मरण पत्र के संबंध में, श्री राम सत्संग सेवा समिति मनेंद्रगढ मास बिक्री पर रोक लगाने के संबंध में, संतलाल निवासी डिहुली शासकीय उचित मूल्य दुकान भवन स्वीकृत करने के संबंध में, आनंद कुमार गुप्ता निवासी केल्हारी भूमि के संबंध में, इंद्र कुंवर निवासी उजियारपुर वेतन मार्च माह से आवेदिका को अप्राप्त के संबंध में, रघुनाथ निवासी रिसागाड़ा भूमि के संबंध में, जगधारी निवासी मुर्किल भूमि के संबंध में, विश्राम निवासी मुर्किल भूमि के संबंध में, नारायण सिंह निवासी ठिसकोली भूमि के संबंध में, ललिता यादव निवासी पतरापाली स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र नही देने के संबंध में, ओमप्रकाश जैन निवासी मनेंद्रगढ सीमांकन कराये जाने के संबंध में, तेजस्वनि गर्ग निवासी कोरिया संस्कृत विश्विद्यालय सिरौली का नवीनीकरण के संबंध में, संस्कृत विश्वविद्यालय मौहारीडांड चिरमिरी का नवीनीकरण के संबंध में, वसुंधरा महिला स्वयं सहायता समूह चनवारीडांड भुगतान के संबंध में, धीरज मौर्य निवासी पसौरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर घाघरा में कर्मचारियों की मांग के संबंध में, मो. कसीम निवासी नई लेदरी पीएम आवास योजना में हो रहे अन्याय के संबंध में, संतोष पैसा लेकर भर्ती करने के संबंध में, मनीष सिंह निवासी खोंगापानी पेड़ के डालियों के छटाई एवं कटाई करने के संबंध में एवं सप्ताह के दो दिन पटवारी की अनिवार्यतः उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने के संबंध में, शिकायत के संबंध में, रंजीत सिंह निवासी मनेंद्रगढ भूमि के संबंध में,के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

इंजीनियरिंग छात्र से नौकरी के नाम पर 3 लाख ठगे

आरोपी ने रेलवे में भर्ती कराने इंटरव्यू लिया, आईडी-वर्दी दी; जॉइनिंग करने पहुंचा तो खुलासा

जबलपुर (एजेंसी)। इंजीनियरिंग के छात्र को रेलवे में नौकरी का झांसा देकर शातिर ठग ने सवा तीन लाख रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने पहले फर्जी इंटरव्यू और मेडिकल करवाया, फिर छात्र को पहनने के लिए वर्दी और फर्जी आईकार्ड भी दे दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब छात्र रेलवे ऑफिस पहुंचा, जहां अधिकारियों ने बताया कि न तो कोई वैकेंसी है और न ही कोई नियुक्ति हुई है। पीड़ित आदर्श पटेल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने सोमवार देर रात करीब एक बजे घमापुर स्थित आरोपी राकेश सराठे के घर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके घर से भर्ती प्रकोष्ठ से जुड़े कुछ दस्तावेज और डब्ल्यूआरएमएस का आईकार्ड मिला है, जिसकी मदद से वह खुद को रेलकर्मी बताता था। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

रिश्ते में छात्र का मामा लगता है आरोपी: धनवंतरी नगर पुलिस चौकी क्षेत्र के भूकंप कॉलोनी में रहने वाले आदर्श पटेल की मां पीको-फॉल का काम करती हैं। आरोपी राकेश अक्सर सिलाई का काम देने के बहाने उनके घर आता-जाता था। मार्च में वह आदर्श की मां से मिला और कहा कि जबलपुर मंडल के देवरी रेलवे स्टेशन में कॉमर्शियल विभाग में क्लर्क का पद खाली है, जहां वह आदर्श की नौकरी लगवा सकता है। इसके एवज में उसने 5 लाख रुपए की मांग की, यह कहकर कि पैसे अधिकारियों को देने होंगे। रिश्ते में मामा लगने के कारण आदर्श और उसकी मां को कोई शक नहीं हुआ। उन्होंने तीन से चार किश्तों में सवा तीन लाख रुपए आरोपी को दे दिए। राकेश छात्र को मेडिकल टेस्ट के लिए रेलवे अस्पताल भी ले गया, जहां एक महिला से उसकी बात करवाई गई।

रेलवे गेस्ट हाउस में विजिट, मेडिकल कराया: मार्च में दस्तावेज जमा करने के बाद से आरोपी राकेश सराठे छात्र को कभी रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, कभी रेलवे अस्पताल और कभी रेलवे गेस्ट हाउस ले जाता रहा, ताकि पूरी प्रक्रिया को असली जैसा दिखाया जा सके। उसने आदर्श को नीलांबरी गेस्ट रूम भी दिखाया और ट्रेनिंग के लिए एक फर्जी आईकार्ड और वर्दी दी, जिस पर "कंप्यूटर प्रकोष्ठ, पमरे, सिविल लाइंस" लिखा था। इसके बाद आरोपी ने रेलवे अस्पताल बुलाकर आदर्श का मेडिकल करवाया। बाद में एक निजी अस्पताल में एक्स-रे भी कराया गया।

महिला को रेलवे अफसर बनने दिए 5 हजार रुपए: आरोपी ने रेखा वर्मा नाम की महिला को रेलवे बोर्ड की अधिकारी बताकर छात्र से मिलवाया था। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। सबसे पहले विजय नगर घड़ी चौक निवासी रेखा वर्मा को हिरासत में लिया गया। उसने बताया कि वह राकेश के कहने पर खुद को रेलवे अधिकारी बताकर आदर्श से मिली थी। इसके बदले में उसे 5 हजार रुपए मिले थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपी राकेश सराठे को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 2021 में इसी तरह ठगी करने का मामला दर्ज है।

नर्मदापुरम में मनाया गया तिरंगे का जन्मदिन

सेठानी घाट पर 150 फीट लंबा तिरंगा लेकर चले; देश का इकलौता शहर जहां ऐसा होता है

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मंगलवार को नर्मदा नदी के तट स्थित प्रसिद्ध सेठानी घाट पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का अंगीकरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में 150 फीट लंबा तिरंगा हाथों में लेकर युवाओं और स्कूली बच्चों ने देशभक्ति का संदेश दिया। सेठानी घाट 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम संयोजक मनीष परदेशी ने बताया कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया था। तभी से नर्मदापुर युवा मंडल इस दिन को तिरंगे के जन्मदिन के रूप में मना रहा है। पिछले 14 वर्षों से लगातार यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

नर्मदापुरम देश का इकलौता शहर जहां तिरंगे का जन्मदिन मनाया जाता है: परदेशी ने बताया कि पूरे देश में नर्मदापुरम ही ऐसा शहर है जहां तिरंगे का जन्मदिन उत्सवपूर्वक मनाया जाता है। हर साल स्थानीय स्कूलों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से यह आयोजन भव्य रूप में होता है।

नगरपालिका अध्यक्ष और युवा मंडल अध्यक्ष रहे मौजूद: इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव और नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कई सदस्य रहे आयोजन में शामिल: कार्यक्रम में डॉ. उमेश सेठा, दीपक हेमनानी, नंदकिशोर यादव, मुकेश यादव, रुपेश राजपूत, केएन त्रिपाठी, उदित द्विवेदी, विशाल दीवान, सुचित्रा यादव, सुमित गौर, अमित तिवारी, कमल चव्हाण, सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रिश्वत नहीं देने पर थाने में मारपीट का आरोप

पीड़ित ने एसपी ऑफिस के बाहर 5.30 घंटे धरना दिया, 3 दिन में जांच का आश्वासन

छतरपुर(एजेंसी)। ढिलापुर गांव में एक रिक्शा चालक से मारपीट और फिर उसके बड़े भाई से 20 हजार रुपए मांगने के आरोप में ओरछा रोड थाने के आरक्षक पर शिकायत की गई है। पीड़ित परिवार और समाजजन सोमवार को 5.30 घंटे तक एसपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे। सीएसपी ने जांच कर 3 दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया। ढिलापुर निवासी धनीराम कुशवाहा ने बताया कि उसका छोटा भाई लालतू कुशवाहा रिक्शा चलाता है। करीब 15 दिन पहले वह रात 10 बजे छतरपुर से घर लौट रहा था, तभी गांव के कल्लू यादव ने रास्ते में रोककर शराब पार्टी के लिए 500 रुपए मांगे। पैसे नहीं देने पर गाली-गलौज कर मारपीट की गई।

थाने में 2 दिन बुलाया, फिर मांगे 20 हजार रुपए: धनीराम के अनुसार अगले दिन शिकायत करने पर पुलिस ने 2 दिन तक उन्हें थाने बुलाया। फिर सोमवार को ओरछा रोड थाने के आरक्षक महेंद्र यादव ने कॉल कर बुलाया और 20 हजार रुपये मांगे। पैसे नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की और उल्टा उसी पर झूठा मारपीट का केस दर्ज कर दिया गया।

जातिगत अभद्रता और धमकी का आरोप: परिवार का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने जातिगत आधार पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और दबाव बनाकर पैसे मांगने की कोशिश की। जब इनकार किया गया, तो फर्जी केस दर्ज कर डराने का प्रयास किया गया।

कुशवाहा समाज के साथ किया प्रदर्शन: धनीराम और उसका परिवार कुशवाहा समाज के लोगों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा और 5.30 घंटे तक धरने पर बैठा। मौके पर पहुंचे सीएसपी ने 3 दिन में जांच पूरी कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

तौलिया लपेट महिला को इंजेक्शन लगाते फर्जी डॉक्टर का वीडियो

खजुराहो (एजेंसी)। छतरपुर जिले के राजनगर विकासखंड के झमटुली के एक फर्जी डॉक्टर का वीडियो सामने आया है। इसमें वो तौलिया लपेट महिला के कूल्हे पर इंजेक्शन लगाता नजर आ रहा है। प्रतीश अधिकारी नाम का ये शख्स 25 साल से चांदसी अस्पताल के नाम पर प्रैक्टिस कर रहा है। इसके अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने तक की सुविधा के साथ मेडिकल स्टोर भी है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जब भी कोई बीमार पड़ता है उसका इलाज कराने के लिए इन्हीं डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं। अस्पताल में दो लोगों की मौत भी हो चुकी है। पिछले महीने एक मरीज को गलत इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। उसे ग्वालियर लेकर जाना पड़ा था। वहां मुश्किल से उसकी जान बची थी।

महापौर ने हाईकोर्ट में यातायात सुधार के लिए दिए सुझाव

इंदौर (एजेंसी)। शहर की बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर साल 2019 में उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ में लगी जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। महापौर ने अधिवक्ता के रूप में न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति बिनोद कुमार द्विवेदी की डिवीजन बेंच के समक्ष प्रस्तुत होकर पक्ष रखा। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने शहर की यातायात व्यवस्था से जुड़े मामलों में महापौर पुष्यमित्र भार्गव को न्याय मित्र नियुक्त किया है।

महापौर भार्गव ने बताया कि न्यायालय ने उन्हें यातायात से जुड़े मुद्दों पर सहयोग के लिए न्याय मित्र के रूप में आमंत्रित किया था। इस दौरान उन्होंने अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि 35 लाख की जनसंख्या और लगभग समान संख्या में वाहनों वाले शहर में नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने ई-रिक्शा पॉलिसी बनाने, को-ऑर्डिनेशन कमेटी गठन, फुटपाथ से कब्जे हटाने और मोबाइल कोर्ट शुरू करने के सुझाव दिए।

महापौर ने यह भी कहा कि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कुछ कठोर निर्णय लेने की आवश्यकता है, जिन्हें सरकार और प्रशासन मिलकर जल्द लागू करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि ई-चालान और ट्रैफिक रेगुलेशन को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए जाएंगे। पैरवी के दौरान इंदौर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर आशीष सिंह, पुलिस प्रशासन की ओर से पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और नगर निगम की ओर से आयुक्त शिवम वर्मा भी न्यायालय में उपस्थित रहे।

---

4 सरपंच पदों के लिए हुआ मतदान

16 प्रत्याशी मैदान में, पेपरलेस वोटिंग हुई; 74.61 प्रतिशत वोटिंग दर्ज

सागर (एजेंसी)। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव-2025 के तहत आज (मंगलवार) चार ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के लिए मतदान हुआ। इस दौरान 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए 74.61 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें सबसे ज्यादा मतदान ग्राम पंचायत सेमरा लहरिया के मतदान केंद्र 73 पर 78 प्रतिशत हुआ। वहीं सबसे कम वोट खुरई विकासखंड की ग्राम पंचायत मुहासा के मतदान केंद्र क्रमांक 44 पर 65 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

इस चुनाव की खास बात यह है कि यह पायलट योजना के अंतर्गत पूर्णतः जिले में पहली बार पेपरलेस आयोजित किया जा रहा है। कुल 16 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनके लिए 9 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चला।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने बताया कि मतदान के लिए 9 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। वहीं, उप जिला निर्वाचन अधिकारी रूपेश उपाध्याय को इस उपचुनाव का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

---

९० लाख की धोखाधड़ी की आरोपी साध्वी लक्ष्मीदास गिरफ्तार

एक साल से फरार थी, महंत का उत्तराधिकारी बनकर मंदिर के रुपए हड़पने का आरोप

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। कनकधाम से जुड़ी करीब 90 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में एक साल से फरार रीना रघुवंशी उर्फ साध्वी लक्ष्मीदास पुलिस की गिरफ्त में आ गई है। सोमवार देर शाम चौरई पुलिस ने उसे नर्मदापुरम जिले के चांदपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। आज उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की रिमांड पर भेजा गया है। कोर्ट में पेशी के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बताया गया कि महंत कनक बिहारी दास रघुवंशी समाज से थे और समाज के बीच उनकी बड़ी श्रद्धा थी। मंदिर में हुई धोखाधड़ी से समाज में आक्रोश था। हालात को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए।

महंत के अकाउंट से 90 लाख रुपए निकालने के आरोप: आरोप है कि कनकधाम के महंत कनकबिहारी दास की मृत्यु के बाद रीना ने उनके बैंक अकाउंट से 90 लाख रुपए निकाल लिए। वह खुद को महंत कनकबिहारी का उत्तराधिकारी बता रही है। वहीं, नए महंत श्याम दास महाराज का दावा है कि कनकबिहारी दास ने अपने जिंदा रहते बनाई गई वसीयत में उन्हें उत्तराधिकारी घोषित किया है। साध्वी ने तो महंत की मृत्यु के बाद जालसाजी करके उनका मोबाइल नंबर इश्यू कराया और श्रीराम जानकी मंदिर समिति के 90 लाख रुपए हड़प लिए।

महंत श्याम दास महाराज के अनुसार, स्व. कनकबिहारी दास ने मंदिर के लिए 1 करोड़ रुपए दान देने की घोषणा की थी, लेकिन उनके निधन के बाद बैंक खाते में जमा 90 लाख रुपए अचानक गायब हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि स्वर्गीय महंत ने किसी को नॉमिनी नहीं बनाया था, इसके बावजूद बैंक से इतनी बड़ी रकम निकाल ली गई।

मीडियाकर्मी बनकर व्यापारी को धमकाया

अवैध कॉलोनी काटने के नाम पर एक लाख रुपए मांगे; दो पर एफआईआर

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में कट रही एक कॉलोनी को लेकर एक अनाज व्यापारी को लगातार मोबाइल पर धमकियां मिल रही थीं। इससे पहले उसे जंजीरवाला चौराहे पर बुलाकर मीडियाकर्मी बनकर एक व्यक्ति ने धमकी दी थी। इस मामले में अनाज व्यापारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा। इस पर पुलिस ने खुद को मीडियाकर्मी बताने वाले व्यक्ति और उसके साथी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। खुडैल पुलिस ने बताया कि दिनेश पटेल ग्राम पिवड़ाय में रहते हैं और अनाज का व्यापार करते हैं। उनकी शिकायत पर रितेश उर्फ गोलू, पुत्र मोहनलाल राठौर निवासी पिवड़ाय, और उनके साथी राजेन्द्र खंडेलवाल निवासी इंदौर के खिलाफ एक लाख रुपए की धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार, दिनेश पटेल ने बताया कि वेंकटेश विहार के पास उन्होंने तालाब के किनारे एक कॉलोनी विकसित की थी। मई माह में उनके पास एक मोबाइल नंबर से राजेन्द्र खंडेलवाल नामक व्यक्ति का कॉल आया। उसने दिनेश को मिलने के लिए जंजीरवाला चौराहे पर बुलाया। जब दिनेश वहां पहुंचे, तो राजेन्द्र ने खुद को मीडियाकर्मी बताया और कहा कि उन्होंने कम्पेल के पास अवैध कॉलोनी काटी है। इसके एवज में उसने एक लाख रुपए की मांग की और धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए, तो वह इस संबंध में खबर छपवा देगा, जिससे कार्रवाई हो जाएगी।

पुलिस ने जांच के बाद दोनों को आरोपी बनाया: अवैध कॉलोनी काटने की बात से दिनेश पटेल ने इनकार किया और कहा कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है। इसके बाद दिनेश मौके से चले गए। इसके बाद कई बार राजेन्द्र कॉल करता रहा। फिर रितेश उर्फ गोलू का कॉल आया। उसने कहा कि खंडेलवाल की बात मान लो, नहीं तो दिक्कत हो जाएगी।

17 जुलाई 2025 को जब दिनेश पटेल वेंकटेश विहार में थे, तब वहां रितेश उर्फ गोलू राठौर आया और अवैध कॉलोनी काटने की बात करते हुए राजेन्द्र की बात मानने का दबाव बनाने लगा। फिर उसने राजेन्द्र से बात भी कराई। जब दिनेश ने बात नहीं मानी, तो उन्होंने धमकी दी कि अब अखबार में खबर छप जाएगी, तभी समझ आएगा। इसके बाद दिनेश ने परिवार से बात की और अगले दिन दोनों के खिलाफ एक आवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा, साथ ही कुछ रिकॉर्डिंग भी दी। पुलिस ने जांच के बाद दोनों को आरोपी बनाया है।

जनसुनवाई में आई 366 शिकायतें, राजस्व विभाग से सबसे ज्यादा 156 और शिक्षा विभाग से 2 शिकायतें मिली

छतरपुर (एजेंसी)। मंगलवार को जिला और जनपद स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिला पंचायत कार्यालय में एडीएम मिलिंद नागदेवे ने सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 170 शिकायतों की सुनवाई की। गौरिहार जनपद पंचायत में इसी दौरान 196 शिकायती आवेदन मिले।

इन विभागों में इतनी शिकायतें आईं: जिला पंचायत सीईओ तपस्या सिंह परिहार के निर्देशन में जनसुनवाई हुई। जिला स्तर पर विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें आईं। राजस्व विभाग से 156, जिला पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग से 17, बिजली कंपनी से 8, पुलिस विभाग से 10 शिकायतें मिलीं। खनिज, कृषि और पशु चिकित्सा विभाग से एक-एक तथा शिक्षा विभाग से 2 शिकायतें दर्ज हुईं।

कई शिकायतों का मौके पर किया निराकरण: गौरिहार एसडीएम बालवीर रमन ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देश पर हर मंगलवार को ब्लॉक स्तर पर जनसुनवाई होती है। कई शिकायतों का निराकरण मौके पर किया गया। कुछ मामलों में जांच के बाद कार्रवाई होगी। अगले मंगलवार को जिले के अन्य ब्लॉकों में भी जनसुनवाई होगी। इससे अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सकेगा।

फसलों को नुकसान पहुंचा रहे आवारा पशु: जनपद पंचायत छतरपुर के ग्राम रिक्शा पुरवा और मोरबा के किसानों ने आवारा मवेशियों से हो रहे फसल नुकसान को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगभग 200 से अधिक आवारा मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे 150 से ज्यादा किसान परिवार प्रभावित हुए हैं।

ग्रामवासियों का कहना है कि इस समस्या से प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसान कट्टर यादव ने बताया कि हाल ही में एक किसान रामपाल की फसल बर्बाद होने से उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उन्होंने बताया कि बाढ़ से पहले से ही फसलें प्रभावित हैं और बची हुई फसल को अब आवारा पशु नष्ट कर रहे हैं। किसान प्रमोद पटेल ने आवारा मवेशियों को शीघ्र गोशाला में स्थानांतरित करने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने गांव में स्थायी गोशाला के निर्माण की भी मांग रखी है, जिससे फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शेयर बाजार मे रही मजबूती, सेंसेस 200 अंक चढ़ा, निटी 25150 के पार

मुंबई (एजेंसी)। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मजबूती के साथ खुले। तिमाही नतीजों के बाद चुनिंदा शेयरों में तेजी से बाजार में पॉजिटिव कारोबार देखने को मिल रहा है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,527.43 पर खुला। सुबह की शुरुआत में यह 167.09 अंक की बढ़त लेकर 82,367.43 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में 11 फर्म के शेयर हरे निशान में जबकि 19 के शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 25,166 अंक पर खुला। फिलहाल यह 40.65 अंक की बढ़त लेकर 25,128 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच आज कई कारक बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स की दिशा तय करेंगे। इनमें पहली तिमाही के नतीजे, फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की टिपण्णी, एफआईआई के रुझान, प्राइमेरी बाजार की गतिविधियां और वैश्विक बाजारों से संकेत शामिल हैं। फूड एग्रीगेटर जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही बीएसई पर 10 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी जून तिमाही नतीजे जारी करने के बाद आई है। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई बढ़त से प्रेरित थी। अमेरिका के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। निवेशक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बावजूद कॉर्पोरेट आय के बारे में आशावादी बने रहे। जापान में सप्ताहांत में हुए चुनावों के बाद बाज़ारों के फिर से खुलने पर शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई। इसमें सत्तारूढ़ दल ने उच्च सदन में अपना बहुमत खो दिया था।

जापान का निक्केई इंडेक्स 1 प्रतिशत ऊपर था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.60 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, एएसएक्स 200 बेंचमार्क में 0.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट सोमवार को दिन के कारोबार में मज़बूत तेज़ी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 सोमवार को 0.14 प्रतिशत बढ़कर 6,305.60 पर और नैस्डैक 0.38 प्रतिशत बढ़कर 20,974.17 पर पंहुच गया। हालांकि, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में थोड़ी गिरावट आई और यह 0.04 प्रतिशत गिरकर 44,323.07 पर बंद हुआ।

सोने के भाव में गिरावट, चांदी की कीमतों में भी आई नरमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में मंगलवार को गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को नरमी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 99,300 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,14,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के शुरुआती कारोबार में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 28 रुपये की गिरावट के साथ 99,300 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 99,328 रुपये था। फिलहाल यह 23 रुपये की गिरावट के साथ 98,305 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 99,342 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 99,199 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 417 रुपये की नरमी के साथ 1,14,629 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,15,046 रुपये था। इस समय यह 347 रुपये की गिरावट के साथ 1,14,699 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,14,775 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,14,510 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,15,136 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी, जबकि चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। बाद में सोने के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,410.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,406.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ 3,405.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 39.25 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 39.33 डॉलर था।

संक्षिप्त समाचार

रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 डॉलर पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर शुल्क की अंतिम स्थिति को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी है, जिससे मुद्राओं का कारोबार सीमित दायरे में हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.26 पर खुला जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह 86.29 प्रति डॉलर के स्तर को छू गया था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.88 पर आ गया।

श्रीसंत की मासूम बेटी की बातों से टूट गया था हरभजन का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह साल 2008 में हुए आईपीएल में साथी क्रिकेटर एस श्रीसंत को थप्पड़ मारने के मामले को लेकर अब भी दुखी हैं। हरभजन ने कहा कि ये एक ऐसी चीज है जिसे वह अपनी जिंदगी से हटाना चाहते हैं, क्योंकि श्रीसंत से कई बार माफी मांगने और बेटी से भी माफी मांगने के बाद भी इसे ठीक नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि इस घटना के कारण उनकी बेटी श्रीसांविका ने तक उनसे बात नहीं की जिससे भी उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। हरभजन ने एक शो में कहा, मेरी जिंदगी में एक चीज जिसे मैं बदलना चाहूंगा, वह श्रीसंत के साथ वाली वह घटना है। मैं उसे अपने करियर से हटाना चाहता हूं। जो हुआ वह गलत था और मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मैंने 200 बार माफी मांगी। हां, उस खेल में हम प्रतिद्वंद्वी थे पर मुझे ऐसा नहीं करना चाहिये था। हरभजन ने यह भी याद किया कि जब उन्होंने श्रीसंत की बेटी श्रीसांविका के बारे में सुना तो वह 'टूट गए' थे। साथ ही कहा कि कई सालों बाद भी मुझे जो सबसे ज्यादा चोट पहुंची, वह तब थी जब मैं उनकी बेटी से मिला और उससे बहुत प्यार से बात कर रहा था तो उसने कहा, 'मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। आपने मेरे पापा को मारा।' तब मेरा दिल टूट गया और मैं आंसुओं के कगार पर था। मुझे लगा कि एक बच्चे के मन में मेरी किस प्रकार की धवि बनी है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मैंने उस पर क्या छाप छोड़ी है? वह मुझे एक बुरे व्यक्ति के रूप में सोच रही होगी, है ना? वह मुझे उस व्यक्ति के रूप में देखती है जिसने उसके पापा को मारा। भज्जी ने आगे कहा, मुझे बहुत बुरा लगा। मैं अभी भी उसकी बेटी से माफी मांगता हूं कि मैं कुछ नहीं कर सकता। मैं उसे बार-बार कहता हूं, 'लेकिन अगर कुछ भी है जो मैं कर सकता हूं जिससे तुम्हें अच्छा लगे और तुम सोचो कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, तो कृपया मुझे बताओ।' मैं चाहता हूं कि जब वह बड़ी हो जाए, तो मुझे उसी नजर से न देखे।

भारतीय टीम चौथे टेस्ट में कुलदीप को शामिल करे - हार्मिसन

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन का मानना है कि भारतीय टीम को यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये हालांकि उन्होंने माना है कि टीम के पास पहले ही वाशिंगटन संदुर और रविन्द्र जडेजा जैसे स्पिनर हैं । ऐसे में कुलदीप को शामिल करने का फैसला आसान नहीं है। इसके लिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरन पड़ेगा या सुंदर और ज्रडेजा में किसी किसी एक को बाहर करना पड़ेगा पर इनके प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा करना संभव नहीं है। बेहतरीन बल्लेबाजी को देखते हुए भी जडेजा को बाहर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले से ही संतुलित टीम में कुलदीप के लिए जगह बनाने का फैसला काफी कठिन होगा। हार्मिसन के अनुसार इस मैदान की पिच से मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिन गेंदबाजी को सहायता मिलने की अधिक संभावना है। हार्मिसन ने कहा, ' विकेट से कुलदीप को शुरुआत में उछाल नहीं मिलेगा लेकिन जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, इससे स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलेगी। पिछले तीन टेस्ट मैच पांचवें दिन तक चले हैं इसलिए भारत को दूसरे या तीसरे स्पिनर के साथ खेलने पर गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने कहा, 'फिलहाल उनकी टीम संतुलित है पर मेहमान टीम के कुलदीप को टीम में लाने का तरीका खोजना होगा। बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले इंग्लैंड पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से आगे है। हार्मिसन को उम्मीद है कि ओल्ड ट्रैफर्ड के हालात भी एजबेस्टन और लॉर्ड्स जैसे ही होंगे। इसमें कम स्कोर वाली, कम गति और उछाल वाली पिचें रहेंगी पर जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा तो पिच टूटेगी। हार्मिसन ने कहा, 'यहां लगभग तीन महीने से बारिश नहीं हुई है और अगर इंग्लैंड में कहीं बारिश होने वाली है तो वह मैनचेस्टर में होगी। अगर कोई ऐसा मैदान है जहां आप दो या तीन स्पिनरों के साथ खेलने पर विचार कर सकते हैं।

मैनचेस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन (एजेंसी)। कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये।

इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं। वहीं सिराज पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड कप्तान और स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते दिखे। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी प्री-सीजन के लिए आये थे और इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटरों से हुई। कई तस्वीरों में शुभमन को फुटबॉलर ब्रूनो फर्नांडीस के साथ, सिराज को अमद डायलो के साथ, जसप्रीत बुमराह को मेसन माउंट और हैरी मैग्वायर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि गंभीर रेड डेविल्स के मैनेजर रूबेन अमोरिम के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए दिखे।

भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है और उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से चौथा टेस्ट जीतना है।

रिंकू की मंगेतर प्रिया खेतों में काम करती नजर आयीं

जौनपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज जमीन से जुड़ी नेता हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा हुई हैं। इसमें वह अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पानी से भरे खेतों में काम करती दिखीं। वीडियो में प्रिया पानी भरे खेत में धान की रोपाई करती नजर आ रही है। रिंकू से सगाई की बाद से ही प्रिया चर्चाओं में रही हैं। प्रिया सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने सगाई की भी तस्वीरों को साझा किया था। वहीं अब प्रिया ने खेती करते हुए का एक वीडियो साझा किया है। उनके ये वीडियो जमकर

वायरल भी हो रहा है। लोगों ने उनकी सादगी की सराहना की है। हाल ही में रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई लखनऊ में हुई थी जिसमें खेल और राजनीति जगत के दिग्गज भी शामिल हुए थे। रिंकू और प्रिया की शादी की पहले दिसंबर में वाराणसी में होने वाली थी पर रिंकू के व्यस्त क्रिकेट मैच के कार्यक्रम को देखते हुए शादी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। रिंकू जहां एक मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं और अपनी मेहनत के बल पर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं प्रिया एक राजनीतिक परिवार से आती हैं। रिंकू जहां क्रिकेट में व्यस्त रहने के कारण दसवीं भी नहीं कर पाये हैं। वहीं प्रिया उच्च शिक्षित हैं। रिंकू 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स की और एक पारी में लगातार पांच छक्के मारने के बाद से ही चर्चाओं में आये थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है? हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है। इन गेंदों को एक खास गेज या माप उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी। हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिप्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो। अंपायर केवल उसके सबसे करीबी विकल्प को ही चुन सकते हैं, जिससे कभी-कभी टीमें असंतुष्ट भी होती हैं। गेंद तभी बदली जाती है जब उसका आकार बिगड़ जाए, गीली हो जाए या उस पर साफ चोट हो। सिर्फ नरम होने पर उसे बदला नहीं जाता। गेंद पर किसी तरह का मार्किंग नहीं होता, इसलिए अगर कोई गेंद पहले स्विंग दे चुकी हो, तो भी उसे पहचानना मुश्किल होता है।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉर्ड्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। जडेजा टीम के युवा खिलाड़ियों को सलाह देते दिखे हैं। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा को टीम का सबसे समर्पित खिलाड़ी करार दिया। शुभमन ने कहा, ''वह भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में उनके पास जो अनुभव और कौशल हैं, वह बहुत दुर्लभ है। उन्होंने जिस तरह की एकाग्रता दिखाई वह भी आसाधारण रही है।''

बुमराह के खेलने का फैसला उनपर ही छोड़ दें : रैना

बर्मिंघम (एजेंसी) । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। रैना के अनुसार बुमराह एक महान गेंदबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलने का फैसला हमें उनपर ही छोड़ देना चाहिये। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इस सीरीज में केवल तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने पर संशय छाया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना डॉक्टर की सलाह पर अधारित रहेगा क्योंकि इससे पहले उनकी पीठ की सर्जर हुई थी। वहीं कुछ क्रिकेटरों का से भी मानना है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पिछड़ रही है। इसलिए बुमराह को बचे हुए मैचों में खेलना चाहिये। जिससे कि भारतीय टीम ये सीरीज जीत सके। रैना यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लेने के लिए आये हैं। इसी दौरान रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, इसका फैसला डॉक्टर लेगा। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है। उन्होंने साथ ही कहा, बुमराह अपने शरीर को जानते हैं।

वह अपने कार्यभार को जानते हैं कि कैसे अपने को बेहतर बनाये रखना है। रैना ने कहा कि बुमराह के लिए थोड़ा आराम जरूरी है क्योंकि वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं हालांकि अगले टेस्ट में टीम प्रबंधन उन्हें टीम में रखना चाहेगा। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उंगली में भी चोट लगी है। इसलिए दोनों के लिए चौथा टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है। अगर उन्हें सीरीज ड्रॉ करनी है या टीम को जीत दिलानी है, तो मुझे लगता है कि दोनों का चौथे टेस्ट में खेलना बहुत जरूरी होगा। अब तक इस दौर में दो टेस्ट मैचों में बुमराह ने 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में 5 विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह पिछले दो साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 2024 के टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, वहीं बॉर्डर गावस्कर सीरीज में में 32 विकेट लिए।

या होता है वर्कलोड मैनेजमेंट और किस प्रकार दिया जाता है खिलाड़ी को आराम ?

मुम्बई (एजेंसी)। हाल के कुछ समय में भारतीय क्रिकेट टीम में खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट (कार्यभार प्रबंधन) को लेकर कई बातें होती रही हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में ये चर्चा सबसे अधिक हुई है। कार्यभार प्रबंधन का मतलब किसी खिलाड़ी को पर्याप्त आराम देना है ताकि व चोटों से बचे रहे। ये विशेषकर गेंदबाजों के लिए होता है। इसी कारण टीम प्रबंधन इंग्लैंड के खिलाफ चौथे में बुमराह का चयन केवल फिटनेस पर नहीं, बल्कि उनके वर्कलोड को ध्यान में रख कर करेगा। ये एक तय प्रक्रिया के तहत ही होता है। वर्कलोड मैनेजमेंट का लक्ष्य खिलाड़ियों को चोटों से बचाते हुए लंबे समय तक उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तय करना है। इसमें बीसीसीआई, नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए), चयन समिति, कोचिंग स्टाफ और कप्तान ये सभी मिलकर खिलाड़ियों के खेलने और आराम करने का कैलेंडर बनाते हैं। खासतौर पर तेज गेंदबाजों और तीनों प्रारुपों में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि लगातार क्रिकेट खेलने से उनका शरीर जल्दी थकता है और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। बेंगलुरु स्थित एनसीए इस प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह खिलाड़ियों की फिटनेस, रिकवरी और वर्कलोड का विस्तृत डेटा रखता है और बीसीसीआई को सुझाव देता है। साल 2023 में बोर्ड ने 20 खिलाड़ियों के एक पूल पर बनाया था जिनकी फिटनेस पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मुख्य कोच, कप्तान और चयनकर्ता इन सुझावों के आधार पर मिलकर निर्णय लेते हैं कि कौन-सा खिलाड़ी कब खेलेगा और कब उसे आराम दिया जाएगा। वर्कलोड मैनेजमेंट आईपीएल जैसे घरेलू टूर्नामेंटों में भी यह लागू होता है। हालांकि वहां फ्रेंचाइजी अपने स्टार खिलाड़ियों को आराम देने में कतराती हैं पर बीसीसीआई इसपर नजर रखती है। यो-यो टेस्ट और डेक्सा स्कैन जैसे फिटनेस टेस्ट को अनिवार्य करके बोर्ड खिलाड़ियों की फिटनेस सुनिश्चित करता है। बुमराह को इसी कारण इंग्लैंड सीरीज में उन्हें पांच में से केवल तीन टेस्ट खेलने को कहा गया है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में खेला है। अब मैनचेस्टर में उनके खेलने पर फैसला मैदान की स्थिति और ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

नगर निगम ने ढहाया 100 साल पुराना जर्जर मकान

पिछले दिनों बारिश में फंसे थे 10 लोग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम ने वार्ड क्रमांक 36 में स्थित एक सौ साल पुराने जर्जर मकान को ध्वस्त कर दिया। यह वही मकान था, जो 18 जुलाई को हुई तेज बारिश के दौरान गिरते-गिरते बचा था। बारिश के कारण मकान की सीढ़ी और कुछ हिस्से टूटकर गिर गए थे, जिससे घर में रहने वाले 10 लोग अंदर फंस गए थे। घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीएम, तहसीलदार और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविर में पहुंचाया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि मकान की जर्जर हालत को देखते हुए बड़ा हादसा टल गया। घटना के पांच दिन बाद, आज सुबह नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर मकान को पूरी तरह ढहा दिया।

नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने बताया कि शहर में कई जर्जर भवनों को चिह्नित किया गया है और उनकी सुरक्षा के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा, "लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए शासन के निर्देश पर ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं।" आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में अन्य जर्जर भवनों को भी गिराने की कार्रवाई की जाएगी ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

नलजल योजनाओं को पूरा कर ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीधी तथा सिंगरौली जिले की एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि एकल नलजल योजनाओं के कार्य तय समयसीमा में पूरे कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार घरों में नल कनेक्शन करके पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। जिन पुनरीक्षित नलजल योजनाओं का कार्य कराने के लिए ठेकेदार सहमत हैं उनमें तत्काल कार्य शुरू कराएं। शेष नलजल योजनाओं में टेण्डर की कार्यवाही तत्काल करें। सिंगरौली जिले में 13 नलजल योजनाओं तथा सीधी जिले में 36 नलजल योजनाओं के कार्यादेश तीन दिवस में जारी करें। नलजल योजनाओं के कार्य की सतत मानीटरिंग रखें। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले सहायक यंत्री और उपयंत्रियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। निर्माण एजेंसियों से तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूरे कराएं। बैठक में अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह ने नलजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा सीधी और सिंगरौली जिले के अधिकारी उपस्थित रहे।

निपनिया मोहल्ले में सड़क और नाली की बदहाली

निवासियों ने नगर निगम में सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के वार्ड क्रमांक 1 निपनिया मोहल्ले के निवासी सड़क और नाली की जर्जर स्थिति से परेशान होकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे और आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर निर्माण व सुधार कार्य की मांग की। मोहल्ले वासियों ने बताया कि बीएसएनएल टावर के पास की सड़क और नाली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिसके कारण बारहों महीने नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहता रहता है।

निवासियों ने शिकायत की कि इस स्थिति के कारण स्कूली बच्चों, मंदिर जाने वालों और मस्जिद में नमाज पढ़ने वालों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इससे बच्चों के गिरने और लोगों के चोटिल होने की घटनाएं हो चुकी हैं। महिलाओं ने बताया कि नहाकर मंदिर या मस्जिद जाने के बावजूद गंदगी के कारण वे पूजा-नमाज के लिए तैयार नहीं रह पाते। नाली और सड़क का स्तर एक समान होने से गंदा पानी और मलवा सड़क पर जमा रहता है, जिससे पिछले 10 वर्षों से मोहल्ले वाले परेशान हैं।

निवासियों ने कहा कि रीवा स्वच्छ सर्वेक्षण में पांचवें स्थान पर है, लेकिन निपनिया मोहल्ले की स्थिति को देखकर लगता है कि इसे सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया गया। कई बार मौखिक और लिखित शिकायतों (4-6 बार) के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। मोहल्ले की महिलाओं और लड़कियों ने एकजुट होकर महापौर और आयुक्त से सड़क व नाली निर्माण की मांग की, ताकि उन्हें इस नरकीय स्थिति से मुक्ति मिले। निवासियों ने चेतावनी दी कि बार-बार शिकायतों के बावजूद सुनवाई न होने से लोगों का प्रशासन पर विश्वास कम हो रहा है। उन्होंने नगर निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सड़क की मांग लेकर स्कूली बच्चे और ग्रामीण पहुंचे कलेक्ट्रेट, दी आत्मदाह की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बारिश के मौसम में रीवा के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। मंगलवार को ग्राम पंचायत बैसा के सरपंच, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चार पंचवर्षीय योजनाओं से सरकारी जमीन पर मुरम डालकर बनाई गई सड़क को एक स्थानीय व्यक्ति निजी जमीन बताकर कंक्रीट निर्माण में बाधा डाल रहा है।

ग्राम पंचायत बैसा के सरपंच शुभम पांडे ने बताया कि पिछले चार पंचवर्षीय योजनाओं में सरकारी जमीन पर मुरम डालकर सड़क बनाई गई थी, लेकिन अब इसे निजी जमीन बताकर कंक्रीट कार्य रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर 41 बार लिखित शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने बताया कि सड़क न होने से बारिश में कीचड़ के कारण स्कूल जाना मुश्किल हो रहा है। बच्चे कीचड़ में गिर जाते हैं, और बीमार होने पर न तो एंबुलेंस और न ही अन्य वाहन गांव तक पहुंच पाते। ग्रामीण समय लाल साकेत ने कहा कि लगभग 40-50 घरों के 150 वोटर इस समस्या से प्रभावित हैं। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर वोट लेकर धोखा देने का आरोप लगाया और प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग की। सरपंच ने बताया कि जमीन पहले सरकारी थी, जिसमें शासकीय धन से मुरम डाला गया, लेकिन अब मोबाइल ऐप में इसे निजी जमीन दिखाया जा रहा है, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जन सुनवाई के बाद भी सड़क निर्माण नहीं हुआ, तो वे आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने कलेक्टर से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

जनसुनवाई में 104 प्रकरणों में की गई सुनवाई

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने 104 आवेदकों की समस्यायें सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया। जनसुनवाई में रमाकांत द्विवेदी बूक, पूजा साकेत एवं रीता साकेत खैरी तथा भैयालाल साकेत खैरा ने बाढ़ प्रभावित क्षतिग्रस्त मकान का मुआवजा प्रदाय करने का आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। राजकुमार साकेत सदहना निवासी ने अवैध कब्जा कर भूमि विक्री किये जाने पर रोक का आवेदन दिया जबकि रेसआ निवासी रंगदेव पटेल ने अवरूद्ध रास्ता खोले जाने का आवेदन दिया। संबंधित आवेदनों को तहसीलदारों को भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। मनुरिहाई निवासी बाल किशोर मिश्रा ने सीमांकन का आवेदन दिया तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। शोभादेवी साकेत पथरी निवासी एवं रामभान तिवारी ढेकहा के उपचार सहायता के आवेदनों पर सीएमएचओ को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। वार्ड क्रमांक 10 रीवा शहर के निवासी सौरभ सिंह के अर्न्तजातीय विवाह प्रोत्साहन सहायता राशि प्रदाय के आवेदन को आदिम जाति कल्याण विभाग को तथा रमाकांत द्विवेदी सेमरिया निवासी के लक्ष्मणबाग की भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन को एसडीएम को भेजकर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों में सुधार तत्काल के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी 50 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराएं। कम से कम पाँच आवेदकों से संभागीय अधिकारी स्वयं फोन पर चर्चा करके उनकी समस्याओं का निराकरण करें। योजनाओं के अपात्र अथवा तथ्यहीन आवेदनों को बंद करने की कार्यवाही करें। गत सप्ताह राजस्व विभाग ने 2593, स्वास्थ्य विभाग ने 597, पीएचई ने 1035, ऊर्जा विभाग ने 623, नगरीय निकायों ने 726 प्रकरणों का निराकरण करके अच्छे प्रयास किए हैं। जून माह की ग्रेडिंग में सतना को छोड़कर संभाग के सभी जिले ए श्रेणी में हैं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की सतत निगरानी करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि ई आफिस में चार लोगों को छोड़कर सभी विभाग ऑनबोर्ड हो गए हैं। ई आफिस के माध्यम से फाइलों और पत्रों का आदान-प्रदान तथा निराकरण सुनिश्चित करें। सभी ऑनबोर्ड विभाग कम से कम पाँच ई फाइल भेजना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में पिछले सप्ताह भारी वर्षा से जनजीवन पर असर पड़ा। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों तथा पुलों में सुधार कार्य तत्काल कराएं। संभागीय प्रबंधक सड़क विकास निगम मनगवां ओवरब्रिज में तत्काल सुधार कराएं। बैठक में कमिश्नर ने फसल क्षेत्राच्छादन, खाद के वितरण, पेयजल व्यवस्था तथा वर्षाजनित रोगों से बचाव के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दो शराब तस्करों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज के नईगढ़ी थाना पुलिस ने 21 जुलाई 2025 को नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह परिहार और एसडीओपी सचि पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर ने मुखबिर की सूचना पर चिल्ल चौराहे पर नाकाबंदी कर लाल रंग की फिएस्टा कार (स्त्रा 04 ष्ठड्ढ 3419) को पकड़ा। कार से 6 पेटी देशी शराब (300 शीशी, 54 लीटर, कीमत 30,000 रुपये), एक मोटोरोला मोबाइल और कार सहित कुल 6,45,000 रुपये का सामान जब्त किया गया। आरोपी पुष्पेंद्र जायसवाल (19) और विनोद कुमार साकेत (28) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर, उपनिरीक्षक ए.पी. मिश्रा, राजेंद्र वर्मा, सउनि नारायण पाण्डेय, नरेंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक रामकुमार भास्कर और आरक्षक प्रकाश कुशवाहा की अहम भूमिका रही।

पर्यटन कॉन्क्लेव के लिए तत्परता से तैयारियाँ करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 26 और 27 जुलाई को पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि पर्यटन कॉन्क्लेव के लिए तत्परता से तैयारियाँ शुरू करें। इसके माध्यम से विन्ध्य क्षेत्र के पर्यटन उद्योग को नया आयाम मिलेगा। इस आयोजन में 500 से अधिक विभिन्न क्षेत्रों के पर्यटन उद्योग से जुड़े हुए प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। मुख्य कार्यक्रम 26 जुलाई को दोपहर 2 बजे कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आरंभ होगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर्यटन कॉन्क्लेव से जुड़े प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। पर्यटन के विकास के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कॉन्क्लेव में 27 जुलाई को अलग-अलग प्रतिनिधि मण्डल चर्चा करेंगे तथा तीन चुने हुए पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रतिनिधि मण्डल को जिन स्थानों पर जाना है वहाँ सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। पर्यटन स्थल की जानकारी देने के लिए सुयोग्य व्यक्ति तैनात रखें। मुख्य कार्यक्रम स्थल में पेयजल, साफ-सफाई, साज-सज्जा, सुरक्षा, बिजली आपूर्ति, साउण्ड व्यवस्था तथा भोजन संबंधी व्यवस्थाएं संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को अतिथियों के स्वागत, ठहरने तथा घूमने संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों की साज-सज्जा तथा शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई के संबंध में भी निर्देश दिए।

मनगवां में छात्रों के साथ वाटर ऑडिट गतिविधि का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर परिषद मनगवां में मध्यप्रदेश अर्बन सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट - एडिशनल फाइनेंसिंग के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय में वाटर ऑडिट गतिविधि का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग सौ छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जल संरक्षण की महत्ता से अवगत कराना एवं नगर में संचालित जलावर्धन योजना की कार्यप्रणाली व उपयोगिता के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर बच्चों को जल के उपयोग की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया सिखाई गई। बच्चों को दैनिक जीवन में जल की बचत के बारे में बताया गया। वाटर ऑडिट की प्रक्रिया को विजुअल प्रेजेंटेशन एवं प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को गहराई मिली। छात्रों ने जल कनेक्शन, जल गुणवत्ता, पाइपलाइन व्यवस्था तथा जल के स्रोतों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए। बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए। इस संवाद से न केवल छात्रों में जल संरक्षण के प्रति चेतना विकसित हुई, बल्कि उन्होंने अपने परिवार एवं समुदाय को भी इस दिशा में जागरूक करने का संकल्प लिया। इस आयोजन का समन्वय सीडीओ श्री शैलेश कुमार तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सब इंजीनियर, फील्ड इंजीनियर, सोशल सेफगार्ड प्रोफेशनल, संविदाकार प्रतिनिधि एवं ईएचएस पर्यवेक्षक का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आज

रीवा . कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक 23 जुलाई को आयोजित की गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में सुबह 11 बजे से आहूत बैठक में सीएम हेल्पलाइन, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली, नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, सायबर तहसील, 6 माह से न्यायालय में लंबित प्रकरण, धारणाधिकार, स्वामित्व योजना, पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य राजस्व विषयों की समीक्षा की जाएगी।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री 24 को रीवा होकर सीधी जायेंगे

रीवा. प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल 24 जुलाई को प्रात: 8 बजे रीवा रेलवे स्टेशन आयेंगे तथा सीधी के लिये प्रस्थित होंगे। श्री जायसवाल सीधी में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के उपरांत रात्रि 7.30 बजे रीवा आकर रात्रि 7.55 बजे भोपाल रवाना हो जायेंगे।

बेलगाम ई-रिक्शों पर पुलिस का शिकंजा, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर विशेष अभियान शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर की सड़कों पर बेलगाम दौड़ रहे ई-रिक्शों के खिलाफ पुलिस और परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। परिवहन विभाग के अनुसार, जिले में करीब 4,000 ई-रिक्शों का संचालन हो रहा है, जिनमें से अधिकांश चालक नाबालिग हैं या बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं। इन रिक्शों का कोई निर्धारित स्टॉपेज या रूट नहीं है, जिसके कारण ये शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ी बाधा बन रहे हैं।

इन अनियमितताओं पर लगाम कसने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के निर्देश पर ट्रैफिक थाना प्रभारी अनीमा शर्मा, सूबेदार अखिलेश कुशवाहा और अंजलि गुप्ता की अगुवाई में शहर के विभिन्न चौराहों और मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सैकड़ों ई-रिक्शों को पकड़ा गया और उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की जा रही है।

नाबालिग चालक और बिना लाइसेंस संचालन: ट्रैफिक थाना प्रभारी अनीमा शर्मा ने बताया कि अधिकांश ई-रिक्शा चालक नाबालिग हैं और बिना लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं। ये रिक्शा चालक कहीं भी सवारी उतारने-चढ़ाने में संकोच नहीं करते, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ रही है। उन्होंने बताया कि शहर के प्रकाश चौराहा, गोल पार्क, सिरमौर चौक और कंट्रोल रूम के सामने से सैकड़ों ई-रिक्शों को पकड़कर पुलिस कंट्रोल रूम में खड़ा कराया गया है, जहां दस्तावेजों की जांच जारी है।

स्कूल बच्चों के लिए ई-रिक्शा पर सवाल: ई-रिक्शों का उपयोग स्कूल बच्चों को लाने-ले जाने के लिए भी किया जा रहा है, जो सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक है। ट्रैफिक प्रभारी ने बताया कि स्कूल संचालकों के साथ बैठक कर निर्देश दिए गए हैं कि बच्चों को लाने-ले जाने वाले ई-रिक्शा और ऑटो चालकों की सूची तैयार की जाए। इन वाहनों को बिना अनुमति के बच्चों के परिवहन के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं है। कई जिलों में ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, और रीवा में भी इसे लागू करने पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि ई-रिक्शा आसानी से पलट जाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा रहता है।

रूट और नंबरिंग का प्रस्ताव: ट्रैफिक पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर ई-रिक्शों के लिए निर्धारित रूट और नंबरिंग की मांग की है। साथ ही, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में इनके प्रवेश पर प्रतिबंध या वन-वे व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया है। इस अभियान से नियम तोड़ने वाले ई-रिक्शा चालकों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।